नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 06 जनवरी 2025, वर्ष- 07, अंक- 313, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

इस्राइल ने गाजा पर फिर बरसाए बम, हवाई हमले में 21 लोगों की मौत

एजेंसी, गाजा : इस्राइल लगातार गाजा पर हमले कर रहा है। उसे जहां भी हमास से जुड़ी जानकारी मिलती है वो हमले में देरी नहीं करता है। बीती रात भी गाजा पर हवाई हमले किए गए हैं। जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। इस हवाई हमले में मरने वालों में कम से कम दो बच्चे भी शामिल हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमास की ओर से कुछ बंधकों का एक वीडियो जारी किया था। जिसके बाद इस्राइल में बड़ी संख्या में लोगों ने रैली निकाली थी। जिसके बाद इस्राइल की ओर से ये हवाई हमला किया गया है। इस हमले को वीडियो की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है। हमास से संबद्ध सिविल डिफेंस की ओर से जारी बयान में कह गया कि हवाई हमले में गाजा शहर में सराया परिसर के पीछे का आवासीय क्षेत्र नष्ट हो गया, जिसमें कम से कम पांच लोग मारे गए हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने की घोषणा, सिंधु लिपि को समझाने वाले को मिलेंगे 10 लाख डॉलर

एजेंसी, नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को सिंधु घाटी की लिपि एक सदी से भी अधिक समय से एक अनसुलझी पहेली को सुलझाने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने यह घोषणा आज तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में की। यह सम्मेलन सिंधु घाटी सभ्यता की खोज की शताब्दी के अवसर पर आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि हम अभी भी सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को स्पष्ट रूप से समझने में असमर्थ हैं। वह सभ्यता, जो कभी भारत में फली-फूली थी। उन्होंने कहा कि इस पहेली को सुलझाने के लिए विद्वान आज भी प्रयास कर रहे हैं और ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए वे व्यक्तियों या संगठनों को 10 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार देंगे। उल्लेखनीय है कि सिंधु घाटी सभ्यता भारत की सबसे पुरानी नगर सभ्यताओं में से एक है। इसकी लिपि खो आज तक पढ़ा नहीं जा सका है। इस कारण से आज भी सभ्यता से जुड़े कई पहलू रहस्य बने हुए हैं।

पोरबंदर में एडवांस हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन की मौत, प्रशिक्षण उड़ान पर था

एजेंसी, पोरबंदर। गुजरात के पोरबंदर में कोस्टगार्ड के एयर एन्क्लेव में रविवार को एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। क्रैश के दौरान घायल हुए दो लोगों ने अस्पताल जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि हेलिकॉप्टर से कूदने वाले व्यक्ति की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि कोस्टगार्ड का एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ है। इस हादसे पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पुलिस ने दुर्घटना की पुष्टि की है। एक अधिकारी ने बताया कि इंडियन कोस्टगार्ड का एक एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव रविवार को प्रशिक्षण उड़ान पर था। इसी दौरान उसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई। पोरबंदर कोस्टगार्ड एयरपोर्ट पर लैंडिंग के समय हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। दो महीने पहले भी तटरक्षक बल का एक हेलिकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इंडियन कोस्टगार्ड की टीम इस घटना की जांच कर रही है।

भाजपा के जीतने पर दिल्ली में बंद नहीं होगी जनहित की कोई योजना: मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के मतदाताओं से विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक मौका देने की अपील की। उन्होंने दिल्लीवासियों को विश्वास दिलाया कि भाजपा के जीतने पर दिल्ली में जनहित की कोई योजना बंद नहीं होगी। दिल्ली के जापानी पार्क में आयोजित भाजपा की परिवर्तन रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोगों को डराया जा रहा है कि भाजपा के जीतने पर कई योजनाएं बंद हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जनहित की कोई योजना बंद तो नहीं होगी, लेकिन जो उसमें बेईमानों का ठेका है उनको बाहर निकाला जाएगा। पिछले 10 साल में राज्य सरकार की योजनाएं, सिर्फ कागजों पर चली हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेतृत्व वाली सरकार को आपदा की संज्ञा देते हुए कहा कि दिल्ली को इस आपदा से मुक्ति दिलाना बेहद

जरूरी है। पिछले 10 सालों में दिल्ली ने एक ऐसी राज्य सरकार देखी है, जो किसी 'आप-दा' से कम नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को बर्बाद करने में 'आप-दा' वालों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। ये लोग बसों के रख-रखाव पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसका नुकसान दिल्ली के आम नागरिकों को उठाना पड़ा है। दिल्ली में जब गर्मी आती है तो पीने के पानी के लिए मारामारी मच जाती है। जब बारिश होती है तो जलभराव हो जाता है और जब सर्दी आती है तो प्रदूषित हवा में सांस लेना मुश्किल हो जाता है। दिल्ली के लोगों की ऊर्जा साल के 365 दिन 'आप-दा' वालों से निपटने में खर्च हो रही है। इसलिए दिल्ली से 'आप-दा' हटने पर ही विकास और सुशासन का डबल इंजन आएगा। 'आप-दा' सरकार यहां प्रधानमंत्री आवास योजना को भी ठीक से लागू नहीं कर रही है, गरीबों के लिए पक्के घर बनाने में अड़चनें डाल रही है। दिल्ली में पुरानी योजनाओं के तहत बने करीब 30 हजार घर खाली पड़े हैं। 'आप' वालों ने ये घर दिल्ली के लोगों को आवंटित नहीं किए। उन्होंने कहा मैं दिल्लीवासियों से एक विशेष अनुरोध करना चाहता हूं। दिल्ली और आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं आपसे अनुरोध करने आया हूं कि आप भाजपा को एक अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है। इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है- आप-दा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिस 'आप-दा' सरकार के पास दिल्ली के लिए कोई विजन न हो, जिसे दिल्ली की परवाह न हो, वह दिल्ली का विकास नहीं कर सकती है। दिल्ली को आधुनिक बनाने के लिए जितने भी काम हैं वो केंद्र की भाजपा सरकार ही कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब आने वाले 25 साल भारत और दिल्ली के भविष्य के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 25 साल भारत को विकसित राष्ट्र बनते हुए देखेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा उस गौरवशाली यात्रा में देश की राजधानी का कदम से कदम मिलाकर चलना बहुत जरूरी है।

पीएम ने दिल्ली को 12,200 करोड़ की विकास परियोजनाओं की दी सौगात

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रेल, मेट्रो और स्वास्थ्य से जुड़ी 12,200 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर हिस्से का उद्घाटन शामिल है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने सुबह गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से दिल्ली के न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा भी की। यह परियोजना लगभग 4,600 करोड़ रुपये की है। उद्घाटन के साथ ही दिल्ली को अपनी पहली नमो भारत कनेक्टिविटी मिल गई। इससे दिल्ली और मेरठ के बीच यात्रा काफी सुगम हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली मेट्रो फेज-4 के जनकपुरी और कृष्णा पार्क के बीच करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाले 2.8 किलोमीटर लंबे हिस्से का भी उद्घाटन किया। यह दिल्ली मेट्रो फेज-4 का पहला खंड है। इससे पश्चिमी दिल्ली के कृष्णा पार्क, विकासपुरी, जनकपुरी के कुछ हिस्से और अन्य इलाकों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री

ने दिल्ली मेट्रो फेज-4 के 26.5 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड की आधारशिला रखी, जिसकी लागत करीब 6,230 करोड़ रुपये होगी। यह कॉरिडोर दिल्ली के रिठाला को हरियाणा के नाथूपुर (कुंडली) से जोड़ेगा, जिससे दिल्ली और हरियाणा के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे लाभान्वित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में रोहिणी, बवाना, नरेला और कुंडली शामिल हैं, जिससे आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार होगा। एक बार चालू होने के बाद यह विस्तारित रेडलाइन के माध्यम से दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में यात्रा को सुविधाजनक बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के लिए नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखी।

गुरुकुल परम्परा को आत्मसात कर हम फिर से बनेंगे विश्व गुरु : मोहन यादव

एजेंसी, उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाला गुरु ही होता है। गुरु अपने विद्यार्थी में निहित अनंत संभावनाओं को पहचान कर इसका चारित्रिक एवं शैक्षणिक विकास करते हैं। हमारी पुरातन गुरुकुल परम्परा आज भी प्रासंगिक है। आज कई विकसित देश हमारी पुरानी गुरुकुल परम्परा को अपनाकर अपने बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। हमें भी पुनः उसी गुरुकुल परम्परा से जुड़ना होगा, तभी हमारा देश फिर से विश्व गुरु बन सकेगा। हम प्रदेश में क्लास के अंदर और क्लास के बाहर भी विद्यार्थियों को जीवन एवं नैतिक मूल्य तथा व्यावहारिक शिक्षा देकर उनके समग्र विकास की ओर बढ़ रहे हैं। मजबूत इरादों और शैक्षणिक गुणवत्ता

में आमूल-चूल सुधार लाकर हम प्रदेश को शिक्षा के मामले में देश का एक मॉडल एजुकेशन स्टेट बनाएंगे। इसमें शिक्षकों की बड़ी अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी से वर्चुअली जुड़कर स्टार्स प्रोजेक्ट के तहत अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए सिंगापुर जाने वाले चयनित शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे।

नमो भारत ट्रेन में पीएम ने किया सफर : दिल्ली से मेरठ साउथ का लग्जरी सफर सिर्फ 150 रुपए में

एजेंसी, नई दिल्ली

पीएम नरेंद्री मोदी ने दिल्ली के न्यू अशोकनगर स्टेशन से साहिबाबाद के बीच नमो भारत ट्रेन कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इसे ट्रेन से दिल्ली से मेरठ साउथ तक का सफर महज 40 मिनट में तय हो जाएगा और इस लग्जरी सफर का किराया 150 रुपये रखा गया है। अब हर रोज इस रूट पर अप-डाउन करने वाले लाखों यात्री लग्जरी और सुपर स्पीड वाली यात्रा का आनंद ले सकेंगे।पीएम नरेंद्रग मोदी ने रविवार को साहिबाबाद स्टेशन से न्यू अशोकनगर स्टेशन तक का

सफर रैपिड ट्रेन के जरिए किया। इस दौरान पीएम मोदी ने बच्चों से बात कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने दिल्ली को पहली बार नमो भारत कनेक्टिविटी देते हुए साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इस कनेक्टिविटी के जरिए दिल्ली-मेरठ जाने वाले यात्री महज 40 मिनट में अपनी यात्रा पूरी करेंगे। बता दें कि अभी तक साहिबाबाद और मेरठ साउथ के बीच 42 किलोमीटर का मार्ग चालू है, जिसमें 9 स्टेशन शामिल हैं। वहीं नए 13 किलोमीटर लंबा नया सेक्शन जुड़ने से इस रूट पर दो स्टेशन और बढ़कर 11 हो जाएंगे। नमो भारत रैपिड ट्रेन के विस्तार में अब नए फेज में दो स्टेशन और जुड़ रहे हैं। इनमें से एक 6 किलोमीटर का अंडर ग्राउंड मार्ग भी शामिल है। बता दें कि यह पहली बार है, जब नमो भारत ट्रेन भूमिगत मार्ग पर चलेगी जिसका किराया न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक का किराया सामान्य कोच के लिए 150 रुपए है, जबकि प्रीमियम कोच के लिए यात्रियों को 225 रुपए खर्च करने होंगे।

मुंबई में 15 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी, मुंबई। मुंबई से सटे नालासोपारा और उल्हासनगर में पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई में 15 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें नालासोपारा से 13 बांग्लादेशी नागरिक और उल्हासनगर से बांग्लादेशी पति-पत्नी हैं। घाटकोपर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अविनाश कलदाते ने रविवार को मीडिया को बताया कि उनकी टीम ने एक महीने पहले अहमद मिया शेख और एक बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इन दोनों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने नालासोपारा के आचोले इलाके में शनिवार रात को छापा मारकर 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

जनता के साथ धोखेबाजी करना कांग्रेस का पुराना इतिहास: आदित्य साहू

एजेंसी । रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री और राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने राज्य के वित्त मंत्री एवं कांग्रेस विधायक राधाकृष्ण किशोर के बयान की कड़ी निंदा की। साहू ने रविवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी का जनता के साथ धोखेबाजी करना इसका पुराना इतिहास है। आज झारखंड के वित्तमंत्री के बयान में कांग्रेस पार्टी का चाल चरित्र और चेहरा उजागर हुआ है। साहू ने कहा कि राधा कृष्ण किशोर का 450 रुपये में गैस सिलिंडर देने के वादों को सिरे से नकार देना हेमंत सरकार की नीयत को उजागर कर रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और झामुमो दोनों ने विधानसभा चुनाव में जनता का वोट पाने के लिए बड़े पैमाने पर

लोक लुभावन वादे किए। उन्हीं वादों में 3200 रुपये क्विंटल धान खरीद और 450 रुपए में जनता को गैस सिलिंडर देने की घोषणाएं शामिल है। साहू ने कहा कि आज सत्ता में आते ही राज्य सरकार अपने सभी वादों को एक-एक कर भूल रही है। राज्य में धान की खरीद 2400 रुपये में हो रही और दूसरी ओर आज वित्त मंत्री ने तो जनता को पूरी तरह निराश कर दिया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री का यह बयान कि 450 रुपये में सिलिंडर देने का वादा इंडी गठबंधन का नहीं था, बल्कि यह कांग्रेस पार्टी का वादा था। इसे पूरा करने के लिए सरकार बाध्य नहीं है। यह सरासर अज्ञानता है। उन्हें अपना ज्ञान थोड़ा बढ़ाना चाहिए। मैनिफेस्टो को पढ़ना चाहिए ताकि योजना बनाने में उन्हें सहूलियत हो। साहू ने कहा कि जनता यह कैसे समझे कि कौन सा वादा इंडी गठबंधन का है। क्योंकि, इस गठबंधन ने कोई घोषणा पत्र घोषित किया ही नहीं है। उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस पार्टी को राज्य की सेवा, गांव गरीब किसान की सेवा से कोई मतलब नहीं रहा। कांग्रेस पार्टी तो केवल सत्ता सुख,मंत्री पद के लिए सरकार चाहती है। साथ ही कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पहले भी खटाखट योजना के नाम पर ठग चुकी है।

राहुल ने छात्रों को बताया कांग्रेस और भाजपा की नीतियों में अंतर

एजेंसी, चैन्नई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आईआईटी मद्रास में छात्रों के साथ संवाद करते हुए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की विचारधाराओं और नीतियों के महत्वपूर्ण अंतर को समझाया। उन्होंने विकास, सामाजिक समरसता, और शिक्षा के मुद्दों पर कांग्रेस की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए छात्रों से बात भी की। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस के समावेशी विकास के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। यहां पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस की प्राथमिकता संसाधनों का समान वितरण और कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने से देश में एकता और संतुलित विकास सुनिश्चित होता है। वहीं बीजेपी की नीतियों पर बात करते हुए राहुल गांधी ने उनकी ट्रिकल-डाउन आर्थिक नीति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह मॉडल अमीरों को अधिक अमीर और गरीबों को और अधिक कमजोर बनाता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की नीतियां समाज के कुछ वर्गों को लाभ पहुंचाने तक सीमित हैं। राहुल गांधी ने कहा कि सामाजिक समरसता देश की स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियां भाईचारे और एकता को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने दावा किया कि सामाजिक असमानता को दूर करने से देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार आएगा। राहुल गांधी ने भारत की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि कांग्रेस का फोकस शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों को बढ़ाने और इसे अधिक समावेशी बनाने पर है। छात्रों को बेहतर अवसर देने से देश में नवाचार और विकास को गति मिलेगी। इस बातचीत में राहुल गांधी ने कांग्रेस की नीति को सभी को साथ लेकर चलने और सभी का विकास सुनिश्चित करने की दिशा में अधिक ठोस और व्यापक बताया है। उन्होंने छात्रों से कहा कि भारत का विकास तभी संभव है, जब सभी वर्गों को समान अवसर और भागीदारी दी जाए।

चीनी वायरस : भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से कहा- समय रहते दीजिए जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली

चीन में खतरनाक वायरस फैला हुआ है। हजारों लोगों की मौत हो गई और लाखों लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। जबकि चीन इस तरह के वायरस को लेकर चुप्पी साधे हुए और लगातार झूठ बोल रहा है। इधर चीन की स्थिति को देखते हुए भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति की लगातार जानकारी साझा करने का अनुरोध किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मौसमी उछाल असामान्य नहीं है, लेकिन भारत में ऐसी किसी वृद्धि के संकेत नहीं हैं। मंत्रालय ने कहा कि ऑक्सीजन और अस्पताल के बिस्तरों की पर्याप्त

उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। भारत सरकार चीन की स्थिति पर नजर रखते हुए हरसंभव एहतियात बरत रही है। फ्लू के मौसम में किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। भारत सरकार चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों पर करीबी नजर बनाए हुए है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की जानकारी के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन से संपर्क किया है। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें डब्ल्यूएचओ, आपदा प्रबंधन, रोग निगरानी कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, और एम्स दिल्ली समेत कई संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हुए। बैठक में विशेषज्ञों ने बताया कि फ्लू के मौसम में सांस की बीमारियों का बढ़ना आम बात है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार इन्फ्लुएंजा वायरस, रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस, और ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस जैसे वायरस मामलों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। ये वायरस न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में मौजूदा समय में सक्रिय हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर चीन के अस्पतालों में मरीजों की भीड़ और संकट के वीडियो वायरल हुए थे। कुछ दावों में इसे एचएमपीवी वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति बताया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य श्वसन वायरस है, जो सर्दी जैसे लक्षण उत्पन्न करता है।

मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दूसरे चरण में मुजफ्फरपुर जिले को 451 करोड़ 40 लाख रुपये की दी सौगात

नई सोच एक्सप्रेस

» 76 योजनाओं का किया उद्घाटन, शिलान्यास एवं कार्यारंभ

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दूसरे चरण में मुजफ्फरपुर जिले को 45140.12 लाख (451 करोड़ 40 लाख) रुपये की सौगात दी है। 76 योजनाओं से संबंधित शिलापट्टों का अनावरण कर उद्घाटन, शिलान्यास एवं कार्यारंभ किया। इनमें 9405.46 लाख रुपये की लागत से 51 योजनाओं का उद्घाटन, 24590.31 लाख रुपये की लागत से 23 योजनाओं का शिलान्यास एवं 11144.35 लाख रुपये की लागत से 2 योजनाओं का कार्यारंभ शामिल है। प्रगति यात्रा के क्रम में सबसे पहले मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत बागमती नदी पर प्रस्तावित उच्चस्तरीय पुल एवं गरहा (एन0एच0-57)- हथौड़ी-अतरार-बवनगामा- औराई पथ संबंधी कार्य का नक्शा पर अवलोकन किया। इस पथ की कुल लंबाई (3.35 किलोमीटर उच्चस्तरीय पुल सहित) 21.30 किलोमीटर है, इसकी कुल लागत 814.22 करोड़ है। मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर-बरौनी खंड के एन0एच0-122 (पुराना एन0एच0-28) का फोरलेन चौड़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर के दिघरा रामपुर के पूर्वी भाग में प्रस्तावित रिंग रोड निर्माण से संबंधित कार्य का भी स्थल निरीक्षण किया। प्रस्तावित मुजफ्फरपुर ईस्टर्न रिंग रोड, मधौल (नया एन०एच०-22) दिघरा पट्टी (नया एन0एच0-122) बखरी (नया एन0एच0-27) को जोड़ती है, जिसमें मधौल से दिघरा 4.45 किलोमीटर भाग तथा दिघरा से बखरी 12.55 किलोमीटर है। इस पथ के बन जाने से दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर, मोतिहारी आदि स्थानों से आनेवाले वाहन मुजफ्फरपुर शहरी क्षेत्र बिना प्रवेश किये हुए पटना, समस्तीपुर, बरौनी की ओर सुगमता से जा सकेंगे, जिससे जाम तथा यातायात घनत्व को कम करने में सहायता मिलेगी। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह ने मुफ्फरपुर में प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन पथों तथा पुल-पुलियों के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रस्तावित पथों एवं पुलों का निर्माण कार्य यथाशीघ्र शुरू कराएं। निर्माणाधीन पथों एवं पुलों के काम में तेजी लाकर इसे जल्द से जल्द पूर्ण कराएं। इन पथों एवं पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी, साथ ही समय की भी बचत होगी। मुजफ्फरपुर और आसपास में लगनेवाले जाम की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। इसके पश्चात् मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत मुसहरी प्रखंड के नरौली ग्राम पंचायत स्थित बिंदा ग्राम में नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का फीता काटकर मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण कर पुस्तकालय, पोस्ट ऑफिस, उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक आधार शाखा मुसहरी, सरपंच कक्ष, पंचायत सचिव कक्ष, मुखिया कक्ष का जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने पंचायत सरकार भवन में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली तथा पंचायत प्रतिनिधियों से बातचीत भी की। पंचायत प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। सरपंच श्रीमती मालती देवी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि आपके द्वारा ग्राम पंचायत चुनाव में महिलाओं को दिए गए 50 प्रतिशत का आरक्षण का ही नतीजा है कि आज हम जैसी बड़ी संख्या में महिलाएं चुनकर आईं हैं और लोगों की सेवा कर रही हैं। इसके लिए हम सभी महिलाएं आपको धन्यवाद देते हैं। बिंदा ग्राम के वार्ड संख्या-14 में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का मुख्यमंत्री ने मुआयना किया और वहां बच्चों तथा शिक्षिका से पठन-पाठन के संबंध में बातचीत की। बच्चों ने मुख्यमंत्री का ताली बजाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ठीक ढंग से बच्चों को पढ़ाइये क्योंकि बच्चे ही देश के भविष्य होते हैं। विभिन्न विभागों एवं जीविका दीदियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। इस दौरान जीविका दीदियों ने बैंक सखी दीदी की रसोई, मशरूम जीविका कलस्टर के साथ ही जीविका समूहों के माध्यम से किये जा रहे विभिन्न तरह के कारोबार एवं उससे हो रही आमदनी के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम केंद्र में मंत्री थे, उस समय अनेक जगहों पर जाकर महिलाओं द्वारा समूह के माध्यम से किए जा रहे हैं कार्यों को देखा था। हमने देखा कि महिलाएं बहुत अच्छा काम कर रही हैं। वर्ष 2005 में बिहार में जब हमलोगों की सरकार बनी तो हमने देखा कि यहां स्वयं सहायता समूहों की संख्या काफी कम है। उस समय हमने विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ाने का काम शुरू किया और इसका नाम जीविका रखा तथा इसमें काम करने वाली महिलाओं को जीविका दीदी बुलाना शुरू किया। बाद में केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना को पूरे देश में अपनाया गया तथा इसे आजीविका नाम दिया गया। आज बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या 10 लाख 61 हजार हो गई है, जिससे 1 करोड़ 31 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। जीविका दीदियां काफी अच्छा काम कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आमदनी बढ़ने के साथ-साथ समाज में उनकी प्रतिष्ठा भी बढ़ी है। अब बिहार के शहरी क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से महिलाओं को जोड़ने का काम शुरू किया गया है। पहले जो महिलाएं बोल नहीं पाती थीं, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के बाद अब वे धड़ल्ले से लोगों से बातचीत कर रही हैं। उनकी भाषा में भी सुधार आया है। बहुत अच्छा कारोबार भी कर रही हैं। उन्होंने जीविका दीदियों से कहा कि हमने ही जीविका दीदी नाम दिया है इसे याद रखियेगा। मैं आप सबको बहुत बधाई देता हूं। आप सब काफी अच्छा काम कर रही हैं। जो जरूरते होंगी उसे पूरा किया जायेगा। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री के आगमन पर स्वागत गान किया। स्टॉल निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने 1559 सामुदायिक संगठनों को आरंभिक पूंजी निधि एवं परिक्रमी निधि से संबंधित 48 करोड़ 12 लाख 26 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, 1595 सतत् जीवकोपार्जन योजना के लाभार्थियों को 7 करोड़ 5 लाख रुपये का सांकेतिक चेक, मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत दिव्यांगजन लाभुकों को बैटरी चलित वाहन की चाबी, अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना का सांकेतिक चेक एवं मुख्यमंत्री निजी (अन्य प्रजाति) पौधशाला प्रोत्साहन राशि से संबंधित सांकेतिक चेक लाभुकों को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत नरौली स्थित जीविका भवन की चाबी जीविका दीदियों को प्रदान किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले महिलाओं की स्थिति क्या थी सभी जानते हैं। शाम में लोग घर से बाहर नहीं निकलते थे। उनलोगों ने महिलाओं के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। जबसे हमलोगों की सरकार आयी महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य किए गए, जिसके फलस्वरुप आज काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। हमलोगों ने स्वयं सहायता समूह का गठन किया उसे नाम दिया 'जीविका'। जीविका समूह से जुड़नेवाली महिलाओं की स्थिति में काफी बदलाव आया है। आप देख रहे हैं जीविका दीदियां कितना अच्छा काम कर रही हैं। बिहार में जीविका अच्छा काम करने लगी तो उस समय की केंद्र सरकार ने इसकी सराहना की और उसी की तर्ज पर 'आजीविका' नाम देकर पूरे देश में इसे चलाया। जीविका दीदियों को जिन चीजों की जरुरत होती है हमलोग उसे पूरा करते है। जीविका दीदियों को हमलोग आगे बढ़ा रहे हैं। राज्य के विकास के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। हम दो बार गलती से उधर चले गए थे, अब एन०डी०ए० में ही रहेंगे और साथ मिलकर काम करेंगे। हिंदू-मुस्लिम सहित सभी वर्गों के हित के लिए हमने काम किया है। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने नरौली ग्राम पंचायत में बने वृहद आश्रय गृह मुजफ्फरपुर (कॉमन सुविधा केंद्र) का निरीक्षण कर बहुउद्देशीय हॉल एवं कार्यालय का मुआयना किया तथा उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। मुआयना के क्रम में समाज कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती हरजोत कौर ने बृहद् आश्रय गृह एवं वहां निर्मित बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। वृहद आश्रय गृह के प्रांगण में मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर जिले के विकास योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास एवं कार्यारंभ रिमोट के माध्यम से किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सह मुजफ्फपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राजभूषण चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, पंचायती राज मंत्री श्री केदार प्रसाद गुप्ता, विधायक श्री रामसूरत राय, विधायक श्री अशोक कुमार सिंह, विधान पार्षद श्री दिनेश कुमार सिंह, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह, समाज कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती हरजोत कौर, अपर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय श्री कुंदन कृष्णन, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, बिहार तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त श्री सरवनन एम०, राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष श्री शीर्षत कपिल अशोक, पुलिस उप महानिरीक्षक मुजफ्फरपुर प्रक्षेत्र श्री चंदन कुमार कुशवाहा, मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री सुशील कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हर पंचायत में सहकारी स्वास्थ्य व्यवस्था जरूरी ; प्रो .रणबीर नंदन .

पटना। पूर्व विधान पार्षद एवं वरिष्ठ नेता,भाजपा, डॉ रणबीर नंदन ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को हर लोगों तक पहुंचाना जरूरी है। इसके लिए आवश्यक है कि हर पंचायत स्तर तक सहकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को लागू किया जाए। इस व्यवस्था के तहत पंचायत स्तर पर समाज के लोगों के सहयोग से समाज के लोगों के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित हो जिसमें स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो। डॉ रणबीर नंदन, स्थानीय चिपुरा सामुदायिक भवन में आरोग्य भारती दक्षिण बिहार के तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सह कंबल वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर जब इन सहकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के तहत केंद्र में शुगर जांच मशीन, बीपी जांच मशीन व पैथोलॉजी लैब होगा तभी पंचायत में रहने वाले नागरिक स्वस्थ रहेंगे। 02 नवंबर 2002 ,को स्थापित आरोग्य भारती का यही लक्ष्य है। डॉ नंदन ने कहा की जीवन जीने का सबसे महत्वपूर्ण आयाम स्वास्थ्य सुविधा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक ले जाना है। यही आर.एस.एस. की आनुषांगिक इकाई आरोग्य भारती का सपना है। उन्होंने कहा आज भारतवर्ष में स्वास्थ्य के क्षेत्र में इतना काम हो रहा है कि यहां अंग प्रत्यारोपण के लिए दूसरे देशों से भी मरीज आ रहे हैं, क्योंकि यहां विदेश की अपेक्षा स्वास्थ्य व्यवस्था में खर्च कम है ।यहां एलोपैथिक ,आयुर्वेद, होम्योपैथिक ,एक्यूप्रेशर, की बेहतर चिकित्सा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष में प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान बचपन से ही मिलता है, और हमारे यहां बीमारियों का इलाज प्रकृति में पाए जाने वाले पौधों से होता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुविधा को व्यापक करने की जरूरत है और इसमें जरूरत पड़ने पर सरकार का भी सहयोग लेना चाहिए। इस मौके पर कार्यक्रम में आरोग्य भारती दक्षिण बिहार के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार, सचिव डॉ गुरु शरण पाल, पूर्व सचिव डॉ वेंकटेश तिवारी, सह कोषाध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह,चिपुरा पंचायत के सरपंच देवेन्द्र प्रसाद सिंह सहित बड़ी संख्या में आरोग्य भारती से जुड़े लोगों सहित सैकड़ों ग्रामीण जनता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चिपुरा पंचायत के सरपंच देवेंद्र प्रसाद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सतत आर्थिक विकास के क्षेत्र में नित नए आयाम गढ़ रहा है बिहारः उमेश

» नीतीश सरकार के प्रयासों से बिहार में तैयार हुआ औद्योगिक विकास का माहौल

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार सतत आर्थिक विकास के क्षेत्र में नित नए आयाम गढ़ रहा है। राज्य का आर्थिक विकास दर 14.47 फीसदी पर पहुंच गया है, जो कि राष्ट्रीय औसत 9.60 फीसदी से लगभग 5 फीसदी अधिक है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और ईमानदार प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश का विकास दर गत कई वर्षों से निरंतर दो अंकों में बना हुआ है। विकास दर के मामले में हमारा बिहार देश के कई समृद्ध राज्यों को पीछे छोड़कर चैथे स्थान पर है। श्री कुशवाहा ने कहा कि बिहार में प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2024-25 के राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 12.80 फीसदी का बढ़ोतरी हुआ है। उन्होंने कहा कि नए वर्ष में बिहार नए आत्मविश्वास और नई ऊर्जा के साथ प्रगति पथ पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। श्री कुशवाहा ने कहा कि दिसंबर में आयोजित बिहार बिजनेस कनेक्ट में निवेशकों के साथ कुल 1 लाख 81 हजार करोड़ के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है और यह आंकड़ा बीते साल से करीब तीन गुणा अधिक है। प्रदेश में बेहतर बुनियादी ढांचे-सड़कों का निर्माण, निर्बाध बिजली और पानी जैसी आधारभूत सुविधाएं पहले से काफी सुदृढ़ हुई है। जंगलराज के अंधकार से निकलकर प्रदेश सुशासन के रास्ते पर अग्रसर है। नीतीश सरकार के प्रयासों से बिहार में औद्योगिक विकास का अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है इसलिए देश-दुनिया के निवेशक बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं और नए-नए उद्योग धंधे स्थापित हो रहे हैं।

असम के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने संयुक्त रूप से पूर्वोत्तर राज्यों में 5 स्थानों सहित 12 स्थानों पर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) डीम्ड विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मीटवाई) के अंतर्गत एकमात्र विश्वविद्यालय नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय को गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र को समर्पित किया गया। भारत में सेमीकंडक्टर कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को सहयोगात्मक रूप से बढ़ाने के लिए नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एमएम त्रिपाठी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और एमडी डॉ. रणधीर ठाकुर ने हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य कौशल केंद्र स्थापित करना, डिप्लोमा और प्रमाणन कार्यक्रम विकसित करना और सेमीकंडक्टर एटीएमपी (असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) प्रौद्योगिकियों में कार्यशालाएं आयोजित करना है। टीएसएटी तकनीकी विशेषज्ञता और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेगा, जबकि नाइलिट शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच पर ध्यान केंद्रित करेगा। दोनों संगठन भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवसर पैदा करने पर विशेष जोर देते हुए संयुक्त रूप से अनुसंधान और वित्तपोषण पहलों को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और उद्योग 4.0 के लिए एक प्रमुख केंद्र में बदलने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मंत्री ने एनआईईएलआईटी विश्वविद्यालय के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय सेमीकंडक्टर विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उद्योग 4.0 और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में पेशेवरों को तैयार करने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित है। वैष्णव ने बताया कि नाइलिट का नया परिसर गुवाहाटी के निकट जगीरोड में विकसित किया जाएगा, जो सेमीकंडक्टर विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर केंद्रित होगा। पटना में आगत अतिथियों का स्वागत नाइलिट पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो (डॉ.) नितिन कुमार पुरी ने पुष्पगुछ देकर किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व0 सुशील कुमार मोदी के जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री, पुष्प अर्पित कर दी अपनी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार आज पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व० सुशील कुमार मोदी के जयंती समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्व० सुशील कुमार मोदी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता ने मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गलत के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ने वाले नेता थे सुशील मोदी : सिग्रीवाल

सुशील मोदी को भारत रत्न से सम्मानित करे केंद्र सरकार : मनीष सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजधानी पटना के राजेंद्रनगर स्थित गणपति उत्सव हॉल में रविवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री और बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवंगत सुशील मोदी की पहली जयंती के मौके पर इंडिया पॉजिटिव द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, पवन जायसवाल ,विधायक अरुण सिंह, एम एल सी राजेंद्र गुप्ता शामिल हुए और दिवंगत सुशील मोदी को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन संध्या, कीर्तन और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति की गई।सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि सुशील मोदी गलत के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ने वाले नेता थे। सदन से लेकर सड़क तक अन्याय के खिलाफ उन्होंने लड़ाई लड़ी। उन्होंने बिहार से जंगल राज का खात्मा किया। उन्होंने ही चारा घोटाला को उजागर कर लालू यादव को सजा दिलाने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई ली। बिहार की राजनीति की उनकी गहरी समझ थी। इंडिया पॉजिटिव के सचिव और भाजपा नेता मनीष सिन्हा ने कहा कि सूबे की राजनीति और विकास में सुशील मोदी का अतुलनीय योगदान है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। उनकी स्मृति में राजेंद्रनगर में पार्क और स्टैच्यू बनना चाहिए। वे राष्ट्रीय स्तर के साफ-सुथरी छवि के नेता थे। भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर ने कहा कि सुशील मोदी हमारे प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। सुशील मोदी ने हम जैसे कार्यकतार्ओं को देश के लिए काम करना सिखाया। विधायक अरुण सिन्हा ने कहा कि सुशील मोदी ने नया बिहार बनाया है। आज उनकी स्मृति में 750 से ज्यादा लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। साथ ही उनको भोजन भी कराया गया। इस आयोजन में हजारों स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। इस आयोजन में इंडिया पॉजिटिव के सदस्य बी बी वर्मा, अमिताभ शंकर, संजीव कर्ण, आकांक्षा श्रीवास्तव, सतीश,कैलाश, नीतीश राणा, गप्पू, राजकुमार, मनोरंजन ,कश्यप रत्न सहित इंडिया पॉजिटिव के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य में बागवानी को बढ़ावा देकर करेंगे किसानों की आमदनी दोगुनी : मंगल

तीन दिनों तक कृषि विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी सत्र चलाकर किसानों को किया गया प्रशिक्षित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के गाँधी मैदान में चल रहे तीन दिवसीय बागवानी महोत्सव का रविवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हो गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने तीन दिनों के भीतर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। श्री पांडेय ने अपने संबोधन के दौरान पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजयी प्रतिभागियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस आयोजन से बागवानी को प्रोत्साहन मिलेगा और इसका दायरा भी बढ़ेगा। हमारा लक्ष्य है कि राज्य में बागवानी बढ़े, इसका क्षेत्रफल बढ़े और किसानों की आमदनी भी अधिक हो। हमारा उद्देश्य है कि राज्य में बागवानी फसलों का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन हो, प्रसंस्करण और भंडारण हो। श्री पांडेय ने कहा कि इस तीन दिवसीय बागवानी महोत्सव में पौधों के बिचड़ों, बीजों, मधु और मखानों सहित विभिन उत्पादों की बिक्री हुई है और इन तीन दिनों में इस महोत्सव मे 2 लाख लोग आए। यहाँ तीन दिनों तक कृषि विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी सत्र चलाकर किसानों को बदलते वातावरण के हिसाब से खेती करने और फसलों का उत्पादन बढ़ाने का भी प्रशिक्षण दिया गया। यहाँ एक ही पौधे में बैंगन और टमाटर) को लोगों ने देखा और सराहा। इस महोत्सव में 788 किसानों ने 100 स्टालों में 1200 से भी ज्यादा प्रदर्श दिखाया। वहीं सबसे ज्यादा प्रदर्श दिखाने वालों में प्रथम स्थान पर पूर्णिया, फिर वैशाली और अन्य जिले रहे। श्री पांडेय ने कहा कि इस बार का बागवानी महोत्सव कई मायने में महत्वपूर्ण रहा, जहाँ कृषकों के उत्पादों के प्रदर्शनी के साथ बिक्री हेतु नर्सरी, बीज, बिचड़ा एवं कई शोभाकारी पौधे, मधु, मखाना आदि उत्पादों का स्टॉल लगाया गया। उन्होंने कहा कि मुझे हर्ष है कि कड़ाके की ठंढ के बावजूद भी बागवानी महोत्सव, 2025 में पटनावासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। महोत्सव के दो ही दिनों में करीब 25 लाख रुपए की बागवानी उपकरण, बीज, पौधे, शोभाकारी पौधे, गमले, शहद, मखाना एवं अन्य प्रसंस्कृत उत्पाद की बिक्री हुई। सचिव, कृषि विभाग संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि इस महोत्सव में लोगों की सहभागिता पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुनी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यहाँ आये सफल किसानों से प्रेरित होकर राज्य के अन्य किसान भी बागवानी के क्षेत्र में उनका अनुकरण करेंगे। सरकार द्वारा कलस्टर में बागवानी फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस मौके पर विशेष सचिव डॉ वीरेन्द्र प्रसाद यादव, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार, संयुक्त सचिव द्वय मदन कुमार एवं मनोज कुमार, मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, अपर निदेशक धनंजयपति त्रिपाठी, निदेशक पीपीएम संतोष कुमार उत्तम, संयुक्त निदेशक उद्यान राधा रमण सहित विभागीय पदाधिकारी मौजूद थे।

इंद्रदेव राय मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट में नेशनल एसी विजयी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। कुमार क्लब के तत्वावधान में स्थानीय संजय गांधी स्टेडियम में चल रहे इंद्रदेव राय मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट में रविवार यानी 5 जनवरी को खेले गए मुकाबले में नेशनल एसी ने यूथ यूनियन क्लब को 8 विकेट से पराजित किया। टॉस यूथ यूनियन क्लब ने जीता और पहले बैटिंग करते हुए 16.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 75 रन बनाये। साहिल कुमार ने 16 रन की पारी खेली। नेशनल एसी की ओर से अदव्य वर्धन ने 18 रन देकर 2 विकेट चटकाये। जवाब में नेशनल एसी की टीम 9.5 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बना कर मैच अपने नाम कर लिया। रवि राज ने 29 और दीपू कुमार ने 28 रन बनाये। दीपू को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार आयोजन समिति के संयोजक अशोक कुमार सिन्हा के द्वारा प्रदान किया गया। सोमवार यानी 6 जनवरी को पहला सेमीफाइनल ब्लेज सीसी बनाम अनीसाबाद सीसी खेला जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के जांबाज पत्रकार, मुकेश चन्द्राकर की जघन्य हत्या प्रजातंत्र के लिए घातक

» बिहार प्रेस मेन्स यूनियन ने केंद्र सरकार से शीघ्र पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग उठाया

पटना। छत्तीसगढ़ बीजापुर राजनांदगांव के जांबाज़ पत्रकार, मुकेश चन्द्राकर के जघन्य हत्या के विरोध में बिहार प्रेस मेन्स यूनियन ने आवाज उठाया। सनद रहे कि एक सप्ताह पूर्व चनद्राकर ने ठिकेदारो के ख़िलाफ़ और उनके कारनामों का समाचारपत्र में भाण्डाफोड किया था, उसपर प्रशासनिक तौर पर कार्रवाई भी शुरू हो गया था, जिससे बौखलाहट में अपराधियों ने एक जनवरी को ही अपहरण कर नजरबंद रखा था। काफी प्रताड़ित किया और हैप्पी टैक में बन्द रखा। बाद में कुल्हाड़ी से टुकड़े टुकड़े कर जघन्य हत्या कर दी। बिहार प्रेस मेन्स यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष,अनमोल कुमार महासचिव,राजकिशोर सिंह, सचिव,भोला प्रसाद और अवधेश कुमार शर्मा ने केन्द्र एवं छत्तीसगढ़ के राज्य सरकार से हत्यारों की अभिलम्ब गिरफ्तारी, आहत परिजनों को दस लाख मुआवजा और आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। साथ ही पत्रकार सुरक्षा कानून शीघ्र लागू करने की मांग किया है।

जो बौले सौ निहाल के जैकारों से गूंजी पटना की धरती

» 358वें प्रकाश पर्व को समर्पित होकर निकाला गया नगर कीर्तन

पटना। तख्त श्री हरिमन्दिर जी पटना साहिब में साहिब श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज का 358वां प्रकाष पर्व श्रधा भावना के साथ मनाया जा रहा है। रविवार को गुरुद्वारा गायघाट में दीवान सजाया गया जिसकी दोपहर 1 बजे समाप्ति के पश्चात विशाल नगर कीर्तन निकाला गया। जिसमें देश विदेश से आई हजारों की गिनती में संगत ने भाग लेते हुए गुरबाणी कीर्तन गायन किया और बौले सौ निहाल के जैकारे लगाए। तख्त पटना कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही एवं महासचिव इन्द्रजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर कीर्तन गुरु ग्रन्थ साहिब की छत्रछाया में निकाला गया जिसकी अगुवाई पांच प्यारे साहिबान द्वारा की गई। तख्त साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी बलदेव सिंह सहित अन्य पांच प्यारे साहिबान ने पालकी साहिब में सेवा निभाई। नगर कीर्तन में गुरु महाराज की लाडली फौज बाबा अवतार सिंह बिधीचन्द संप्रदाय पूरे दल बल के साथ हाथी, घोड़े लेकर शामिल हुए। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजीत सिंह ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जन्म के अवसर पर 358वें प्रकाश उत्सव पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। 6 जनवरी तक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 7 जनवरी को विधिवत समापन होगा।केंद्र और राज्य सरकार से सहयोग मिला है। श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, लाइट, साफ-सफाई, बस की व्यवस्था की गई है। पटना साहिब स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव देकर केंद्र ने सिख समुदाय के लोगों को सम्मान दिया है। प्रबंधन कमेटी की ओर से सभी श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे लंगर खोल दिए गए हैं। भाजपा नेता एस एस आहलूवालिया, अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, महासचिव इन्द्रजीत सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लखविन्दर सिंह, उपाध्यक्ष गुरुविन्दर सिंह, सचिव हरबंस सिंह ने संगत को गुरु महाराज के प्रकाश पर्व की बधाई दी।

बिहार के विकास को संकल्पित मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर को दी सैकड़ों करोड़ों की सौगातः जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद और मनीष यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के चैमुखी विकास को कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस कड़ाके की ठंड में भी प्रगति यात्रा पर निकले हैं और जिलों को विकास योजनाओं की सौगात दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुजफ्फरपुर जिले को करीब 5 सौ करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात दी है जिससे ना केवल जिले में नए विकास कामों को पंख लगेंगे बल्कि लंबित योजनाओं को भी पूरा करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में जिले में हुए विकास कामों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में बूढी गंडक नदी के उपर तटबंधों को जोडने के लिए और आवागमन को और सुलभ बनाने के मकसद से चार जगहों पर बडे-बड़े पुलों का निर्माण कराया गया है। रघई घाट पुल का निर्माण कराया गया है जो मीनापुर और कांटी को जोड़ता है और इस पुल के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी आसानी हो रही है। उन्होंने कहा कि आथर घाट पुल और पिलखी पुल के निर्माण से आज दूसरे शहरों से मुजफ्फरपुर पहुंचने में दूरी कम हुई है।

11 जनवरी तक आठवीं तक की कक्षा में पढ़ाई बंद

पटना। प्रदेश में शीतलहर का प्रकोप जारी है। कड़ाके की ठण्ड से स्कूली बच्चों को पटना के जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने राहत दी है। डीएम ने आठवीं तक के सभी कक्षाओं में पठन पाठन स्थगित करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के मुताबिक आगामी 11 जनवरी तक आठवीं का कक्षाओं में पढ़ाई बंद रहेगी। बढ़ते ठंड को लेकर जिलाधिकारी ने आदेश जारी किया है। नर्सरी से 8 वीं कक्षा तक के स्कूलों को अगले आदेश तक बंद रखा जायेगा। डीएम ने वर्ग 8 से ऊपर के विद्यालयों में सुबह 9 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक खोलने के आदेश दिया है। 6 जनवरी से 11 जनवरी 2025 तक यह नियम लागू रहेगा। आदेशों की अवकलन करने वाले पर करवाई की जाएगी।

बाबा गंगाराम सेवा समिति द्वारा बाबा गंगाराम वंदना महोत्सव का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बाबा गंगाराम सेवा समिति , पटना के तत्वावधान मे झूझूंनुवाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम वंदना महोत्सव रविवार , 05 जनवरी 2025 स्थानीय अग्रसेन भवन मे धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम मे झुंझुनुवाले विष्णुअवतरी श्री बाबा गंगाराम सहित भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी ,परम आराधिका माता गायत्री एवं पचंदेवो की मनमोहक झाँकी सजायी गयी । ज्ञात हो कि बाबा गंगाराम का मुख्य धाम झुंझुनूं में श्री पंचदेव मंदिर के नाम से विख्यात है। इस वर्ष श्री पंचदेव मंदिर, झूझंनु के स्थापना के 50वे वर्ष के स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ हो गया है जिसके अंतर्गत पूरे वर्ष देश भर के विभिन्न स्थानो मे अनेकानेक धार्मिक, सामाजिक एंव सांस्कृतिक अनुष्ठान आयोजित किए जायेंगे। बाबा गंगाराम का मुख्य धाम झुंझुनूं में श्री पंचदेव मंदिर के नाम से विख्यात है। कार्यक्रम का शुभारंभ अनिल झुंझुनुवाला द्वारा ज्योत प्रज्वलन के साथ हुआ । तत्पश्चात भजन संध्या का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसके अंतर्गत सुप्रसिद्ध कोलकाता के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री सजंय शर्मा एवं ने अपने मधुर भजनो से उपस्थित भक्तो को भाव विभोर कर दिया। उनके गाये भजन "बनके परछाई चलती हमारी गायत्री माता है, न जाने कितने जन्मों का हमारा इनसे नाता है" "स्वर्ण जयंती पंचदेव मंदिर की मनाएंगे, चलो चलो झुंझुनू में गंगाराम का गुण गाएंगे, नाचे गए धूम मचाए ऐसे की मस्ती चढ़ती जाए" सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। उन्होंने कोलकाता से आए 21 कलाकारों के साथ नृत्य नाटिका के माध्यम से बाबा गंगाराम जी की लीला एवं उनके चमत्कारों को दर्शाया। मुजफ्फरपुर के भजन गायक श्री मनमोहन-राजीव सोनी ने भी बाबा के भजनो की भव्य प्रस्तूत की। उनके गाये भजन "श्रीधाम के जैसा है ये पंचदेव दरबार,गंगाराम के रूप में बैठे विष्णु के अवतार" "त्याग तपस्या की सेवा से सजा है जो दरबार,दुनिया में बस एक ही है ये पंचदेव दरबार" काफी पसंद किया गया। झुंझुनूवाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगारजी की लीलाओं का नृत्य नाटिका द्वारा कोलकाता के प्रसिद्ध कलाकार संजय शर्मा तथा उनकी मंडली द्वारा मंचन किया गया। इस अवसर पर बाबा गंगाराम के साहित्य एवं चित्र आदि का निशुल्क वितरण भी किया गया। इसके अलावा बाबा के परम आराधक भक्त शिरोमणि देवकीनंदन के चिता पर हुए अलौकिक चमत्कारों के चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। कार्यक्रम मे नगर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे । उन्होंने कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की। देश के विभिन्न जगहो जैसे कोलकाता, बैंगलोर, मुजफ्फरपुर, मुम्बई एवं अन्य जगहो से आये भक्तो ने भजनो एवं महाप्रसाद का आनंद लिया। उत्सव में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। सभी भक्त झूम झूम कर बाबा की जयकार लग रहे थे। एम पी जैन ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने मे सुधीर अग्रवाल, सजंय झूझूंनवाला ,पप्पू बाबू , अमर अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, सजंय अग्रवाल, , अनूप अग्रवाल सहित अन्य सभी युवा कार्यकर्ताओ का विशेष योगदान रहा।

एलुमिनाई मीट में जुटी बांकीपुर बालिका उच्च विद्यालय की पूर्व छात्राएं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। गाँधी मैदान स्थित बांकीपुर बालिका उच्च विद्यालय की पूर्व छात्राओं ने नए साल का स्वागत अपने एलुमिनाई मीट से किया। कार्यक्रम का आरम्भ माँ सरस्वती के वंदना से हुआ। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक डॉ. दीप्ति ने बताया कि आज की हमारी गणमान्य अतिथि भी इसी स्कूल की एल्युमनाई हैं। प्रख्यात डॉ. मंजू गीता मिश्रा, शिक्षाविद प्रो. जयश्री मिश्रा, गोपा मुखर्जी, और बांकीपुर विद्यालय की प्रधानाचार्या किरण कुमारी आज के कार्यक्रम की अतिथि हैं। इस ठंडी में भी रांची दिल्ली, मुंबई, देहरादून से आकर सभी बहनों ने एलुमिनाई मीट को सफल बनाया। नृत्य, संगीत, गेम्स, पुरानी यादों के साथ बहनों ने स्वादिष्ट भोजन का भी लुत्फ उठाया। 1957 से 1992 बैच की एलुमिनाई एक साथ एकजुट नजर आईं। इस अवसर पर कोर कमिटी की सदस्याएं डॉ. दीप्ति, प्रेमलता, सिमी नारायण, डॉ. अनामिका नंदन, एडवोकेट नूतन सहाय, डॉ. नीता नाथ, संवेदना, शोभा, राखी प्रकाश, सुषमा आदि पूर्ववर्ती छात्राएं सम्मिलित हुई। नम आँखों से सभी बहनों ने अगले एलुमिनाई में मिलने के वादे के साथ विदा लिया।

एआईओबीसीआरईए,दानापुर मंडल के दानापुर ब्रांच- 1और दानापुर ब्रांच- 2 का चुनाव संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। रविवार 5 जनवरी को एआईओबीसीआरईए के मंडल कार्यालय दानापुर में दानापुर शाखा-1 एवं शाखा-2 का चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष, शौकत मियाँ एवं राजेश उर्फ भईया जी तथा सचिव, रवीश कुमार एवं पुष्पेन्द्र कुमार निर्विरोध निर्वाचित हुए। आज का चुनाव मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुमार के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरीय उपाध्यक्ष, नीरज कुमार, सी. बी. सिंह,नुरूल होदा, अजीत कुमार, सीता यादव, सुंदर कुमार,अमित कुमार एवं अन्य लोग शामिल हुए।

"बिटवीन द पेजस ऑफ लव" नाट्य प्रस्तुति से सम्पन्न हुआ दो दिवसीय नाट्य कार्यशाला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बहुचर्चित नाट्य संस्था इमैजिनेशन स्कूल ऑफ ड्रामा, बिहार द्वारा नव वर्ष के शुभ अवसर पर आयोजित दो दिवसीय नाट्य कार्यशाला का समापन "बिटवीन द पेजस ऑफ लव" नाट्य प्रस्तुति से हुआ। ये कार्यशाला इमैजिनेशन स्कूल ऑफ ड्रामा एंड फिल्मेकिंग के विजयनगर, कंकड़बाग स्थित स्टूडियो में सम्पन्न हुआ जिसमें पहले दिन नाटक "जगाने का अपराध" सत्यम सिंह के निर्देशन में प्रस्तुत हुआ* एवं दूसरे दिन "बिटवीन द पेजस ऑफ लव" जानवी सोनी के निर्देशन में हुआ, जो "बादशाहत का खात्मा" नाटक पर आधारित था। इस नाटक का सारांश "सौन्दर्य व आकर्षण के इच्छुक एक ऐसे बेरोजगार नौजवान की कहानी है जिसकी ज़िंदगी का अधिकतर हिस्सा फ़ुटपाथ पर रात बसर करते हुए गुज़रा था। वो लेखक था, संयोगवश उसका दोस्त राकेश ऑफिस मनमोहन को शौंप कर चला जाता है....

मोहन खुद को उस ऑफिस का बादशाह समझ बैठता है।

ऑफिस के टेलीफोन पर उसे एक लड़की का फ़ोन आता है और उनकी बातचीत लगातार होने लगती है। मोहन लड़की की आवाज़ से इश्क़ कर बैठता है इसलिए उसने कभी उसका नाम, पता या फ़ोन नंबर जानने की ज़हमत नहीं की। देखते ही देखते वो उस लड़की के प्यार मे इतना खो जाता है की उसे खुद का होश नही रहता... अंत मे वो जिस लड़की की तस्वीर अपने ज़ेहन मे बनाने की कोशिश कर रहा था वो और कोई नही उसके द्वारा लिखें अफसाने थे। जो उस दफ्तर मे उसने लिखे थे। इस सदमे को मोहन बर्दाश्त नही कर पाता है। नाटक मे मनमोहन की भूमिका मे सत्यम कुमार सिंह थे और, राकेश की भूमिका मे विवेक कुमार।

पात्र परिचय -

राकेश – विवेक कुमार
मनमोहन – सत्यम कुमार सिंह
लड़की – जानवी सोनी
निर्देशन – जानवी सोनी
लेखक – अख्तर अली
साउंड – राहुल रैना, नयन झा और साहिल कुमार
लाइट – रौशन कुमार
स्टेज मैनेजमेंट – सुमित कुमार, अंकित सम्राट, आदित्य खुराना और प्रकाश कुमार भारती

अपने समय के अत्यंत लोकप्रिय गीतकार थे सरयू सिंह सुंदर, नृत्य-ऋषि थे डा नगेंद्र प्रसाद 'मोहिनी'

नई सोच एक्सप्रेस

» जयंती पर साहित्य सम्मेलन में आयोजित हुआ समारोह, दी गयी काव्यांजलि

पटना। "अंधेरी निशा में नदी के किनारे, धधक कर किसी की चिता जल रही है" --- "कपोलों पर सिसक कर सो गए हैं नयन के काजल/ आए तुम मगर परदेस से फिर आ गए बादल"--- " स्वदेश के पहरेदारों और हिमालय बड़ा करो/ या तिब्बत में आगे बढ़कर नया हिमालय खड़ा करो!", जैसे गीतों के अमर रचनाकार सरयू सिंह सुंदर अपने समय के अत्यंत लोकप्रिय कवि थे। गीतों के राजकुमार के नाम से विख्यात हुए महान गीतकार गोपाल सिंह नेपाली के बाद चंपारण के जिस कवि ने साहित्य संसार का ध्यान अपनी ओर खींचा वो सुंदर ही थे। उनका व्यक्तित्व और साहित्य दोनों ही उनके नामानुसार सुंदर था। दूसरी ओर मोहिनी छवि वाले नृत्याचार्य डा नगेंद्र प्रसाद 'मोहिनी' शास्त्रीय नृत्य के एक महान आचार्य ही नहीं, संगीत-साहित्य में अपना अप्रतिम योगदान देने वाले एक ऋषि थे। यह बातें रविवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। डा सुलभ ने कहा कि मोहिनी जी कला को समर्पित एक ऐसे कलाकार थे, जिन्हें ईश्वर ने अपने समस्त सारस्वत वैभव से परिपूर्ण किया था। वे नृत्य-शास्त्र में पी एच डी की उपाधि प्राप्त करने वाले देश के अंगुली-गण्य आचार्यों में एक थे। सम्मेलन के कला विभाग को उन्नत करने तथा मंच के सौंदर्यीकरण में उन्होंने अपनी सांगितिक प्रतिभा ही नहीं अपना धन भी लगाया। सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष और बिहार के पूर्व गृह-सचिव जियालाल आर्य ने कहा कि साहित्य, संगीत और कला के तीनों सारस्वत विधाओं के गुणी साधक थे मोहिनी जी। उन्होंने बिहार के हज़ारों कला-अनुरागी छात्र-छात्राओं को नृत्य में प्रशिक्षित किया। इस अवसर पर आयोजित 'काव्यांजलि' का आरंभ चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से हुआ। सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा, वरिष्ठ कवि प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, डा शालिनी पाण्डेय, लता प्रासर, चित्त रंजन लाल भारती, डा मीना कुमारी परिहार, डा शमा नसमीन नाजां, भास्कर त्रिपाठी आदि कवियों और कवयित्रियों ने अपनी मधुर काव्यांजलि दी। मंच का संचालन आनन्द किशोर मिश्र ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया। सम्मेलन के अर्थमंत्री प्रो सुशील कुमार झा, बाँके बिहारी साव, प्रवीर कुमार पंकज, नन्दन कुमार मीत, अमन वर्मा, धर्मशीला गुप्ता, प्रमोद कुमार आर्य, प्रमोद चौरसिया, बनारसी पाल, मीठू चौरसिया, कुमारी क्रांति आदि सुधी जन समारोह में उपस्थित थे।

कोर्टयार्ड बाय मैरियट सिलीगुड़ी ने की नए वेडिंग मेन्यू पैकेज की घोषणा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। फाइव स्टार होटल, कोर्टयार्ड बाय मैरियट सिलीगुड़ी, खुद को क्षेत्र का प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन बनाते हुए गर्व महसूस करता है। यह होटल विश्वस्तरीय आतिथ्य, शानदार वेन्यू और बेहतरीन भोजन के विकल्प प्रदान करता है, जो हर शादी को अविस्मरणीय बना देते हैं। शादी के अनुभव को और भी खास बनाने के लिए, होटल ने अपने नए वेडिंग मेन्यू पैकेज प्रारंभ किए हैं, जो अलग - अलग स्वाद और प्राथमिकताओं के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए हैं। नया पेश किया गया सिल्वर, गोल्ड और प्लेटिनम मेन्यू पैकेज 2200 प्लस टैक्स प्रति व्यक्ति से शुरू होता है। यह एक शानदार और अनुकूलन योग्य कूलिनरी जर्नी प्रदान करता है। मेहमान मारवाड़ी, बंगाली, नेपाली और बिहारी जैसे प्रामाणिक व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं, जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाता हैं। हर मेन्यू को विशेष रूप से स्वाद और प्रस्तुति को ध्यान में रखते हुए रूपांकित किया गया है, ताकि शादी का हर आयोजन बेहतरीन अनुभव प्रदान कर सके। कोर्टयार्ड बाय मैरियट सिलीगुड़ी अपने खूबसूरत वेन्यू के लिए प्रसिद्ध है, जो भव्य शादियों और छोटे आयोजन दोनों के लिए संपूर्ण पृष्ठभूमि प्रदान करता है। यादगार पल बनाने के उद्देश्य से, होटल एक आदर्श मिश्रण प्रस्तुत करता है जिसमें परंपरा, आधुनिकता और भव्यता शामिल है। अपनी विशिष्ट आतिथ्य के लिए प्रसिद्ध कोर्टयार्ड बाय मैरियट सिलीगुड़ी उत्कृष्ट सेवा प्रदान करता है जिससे हर अतिथि का अनुभव विशेष और यादगार बनता है। शानदार वेन्यू, बेहतरीन सेवा और अद्वितीय भोजन अनुभव के साथ, यह फाइव स्टार होटल क्षेत्र में शादी के आयोजनों के लिए एक नई मिसाल कायम कर रहा है। अतिथि बुकिंग के लिए 7029900130 / 7029900131 / 7029900132 इस नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

कड़कड़ाती ठंड में गरीबों के बीच किया गया गर्म कपड़ों का वितरण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भीषण ठंड को देखते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की प्रदेश महामंत्री, कला संगम की संचालिका जो समर्थ नारी समर्थ भारत की राष्ट्रीय संयोजिका बिहार झारखंड एवं वेस्ट बंगाल की प्रभारी श्रीमती माया श्रीवास्तव एवं यूपीबीसी कंपनी के सीईओ ने संयुक्त रूप से पिछले कई दिनो से जरूरतमंद महिलाओ के बीच गर्म कपड़ा,शाल,स्वेटर आदि का वितरण किया जा रहा है।जिसका आज अंतिम दिन पुनाईचक में रह रहे जरूरतमंद महिलाओ के बीच कंबल वितरित किया गया। महिलाओ के बीच कंबल का वितरण करते हुए कला संगम की संचालिका व कायस्थ महासभा की प्रदेश महामंत्री एवं समर्थ नारी समर्थ भारत की राष्ट्रीय सह संयोजिका बिहार झारखंड वेस्ट बंगाल की प्रभारी माया श्रीवास्तव ने कहा कि इस भीषण ठंड में जरूरतमंदो के बीच गर्म कपड़े का दान करना ही मानवता की सच्ची सेवा है। आज जरूरत है कि हर एक व्यक्ति खासकर महिलाएं आगे आकर जरूरतमंदों के बीच जाकर गर्म कपड़े वितरित कर मानवता की रक्षा के लिए आगे आए। गरीब लोगों ने गर्म कपड़े पाकर भावुक होते हुए श्रीमती श्रीवास्तव की सराहना किया। श्रीमती श्रीवास्तव ने कहा कि मैं हर साल जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़े शॉल, स्वेटर,कंबल का वितरण करते आ रही हूं। कंबल का वितरण होते देख लोगों ने कहा कि श्रीमती श्रीवास्तव ने गर्म कपड़े और कंबल का वितरण कर सर्दी से ठिठुरते गरीब लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। यूपीबीसी डोर विंडोज कंपनी के सीईओ ने कहा कि गर्म कपड़े व कंबल का वितरण कर गरीबों एवं असहायों को यह एहसास दिलाया गया कि समाज में अभी भी मानवता खत्म नहीं हुई है। इस मौके पर समर्थ नारी समर्थ भारत की प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा पाठक,प्रदेश उपाध्यक्ष मीना श्रीवास्तव पटना महानगर अध्यक्ष अनिता मिश्रा, राखी सिंह , संगीता त्रिवेदी,रागनी सिंह, मीरा रानी,नीलू शर्मा ,संजू देवी, सरिता सिंह,किरण ठाकुर,नीरू सिंह,गुड़िया कुमारी एडवोकेट शालनी सिन्हा इत्यादि मौजूद रही ।

तानसेन महफिल सीजन - 16 में छाया बच्चों का जलवा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के बैनर तले रविवार को जगजीवन राम ऑडिटोरियम में महफिल सीजन - 16 का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान सभी ब्रांच के सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लिया। सिंगिंग, डांसिंग और म्यूजिक में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी जिसे देख अभिभावकों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत संस्थान के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार एवं निदेशक वंदना कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद मंच पर नन्हें - मुंहे बच्चों के बेहतरीन परफॉरमेंस ने सब का मन मोह लिया। इस अवसर पर तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई के साथ क्रिएटिविटी बहुत ही जरुरी है, तभी वे अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संस्थान से प्रशिक्षित छात्र - छात्राएं स्कूलों, टीवी एवं रियलिटी शो सहित अन्य मंचों पर बेहतर प्रदर्शन कर अपना भविष्य संवार रहे हैं। कैप्टन आशुतोष कुमार ने बताया कि 250 से अधिक छात्रों के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, इस कार्यक्रम का अनूठा पहलू यह है कि बच्चों को अपने प्रदर्शन को स्वतंत्र रूप से कोरियोग्राफ करना होता है जिससे उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसे समय में जब माता - पिता अक्सर अधिक पारंपरिक करियर पथों की ओर झुकते हैं, तानसेन बच्चों में नेतृत्व के गुणों को विकसित करने के महत्व को पहचानता है। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित उल्लेखनीय प्रतिभाएँ जैसे सगुणा शाखा से कनिष्क पुरी, वेदिका सिन्हा और मिथरिया कश्यप, आशियाना शाखा से उज्जवल, शैल नंदनी, समृद्धि वेदिता पाटलिपुत्र शाखा से कार्तिक केशियान, निकिशा अन्या, सिरिशा अग्रवाल, प्रसून, हेताक्ष, नायरा परवेज, पार्थवी, रिधिमा नारायण, कंकड़बाग से शगुन, वाणी, अंश रंजन, श्रीजा गोला रोड से रुद्राक्ष, अनन्या तिवारी, शानवी पांडे, ज्ञानवी पांडे, सानिधि केशरी, वेदांश, कुमारी यशका, दिशिता मायरा, आराध्या सूर्यवंशी, रूपा सिन्हा, कृष्णा काव्य, प्रज्ञा, सेजल ने तानसेन के मार्गदर्शन में निखारी गई असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार

जमीनी विवाद को लेकर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

जहानाबाद। वाणावर थाना क्षेत्र के ग्राम परसौना में कल देर शाम में जमीनी विवाद को लेकर एक आदमी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्राप्त सूत्रों के अनुसार विजय यादव के पुत्र लोकनाथ यादव को पूर्व से चली आ रही जमीनी विवाद को लेकर हत्या कर अपराधी फरार हो गये। घटना की सूचना पाकर थाना अध्यक्ष एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह घटना स्थल पर पहुंच मामले की छानबीन लग गये हैं। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जहानाबाद भेज दिया। अपराधी को गिरफ्तार करने हेतु सम्भावित ठिकानों पर छापामारी की जा रही है। मृतक के पिता विजय यादव ने बताया कि गांव के ही जितेंद्र यादव ने मेरे बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पूर्व से ही जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसके पूर्व भी कई बार झगड़ा हो चुका था। बीते शाम भी बहसा बहसी होते होते बात इतनी बढ़ गयी कि जितेन्द्र यादव ने अपने छत पर से गोली मार दी। जिससे मेरे बेटे की मौत हो गयी।

अंधेर नगरी में दिखा गोरी सरकार की गलत नीतियों पर व्यंग्य

फुलवारी शरीफ। सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच वाल्मी, फुलवारी शरीफ पटना की ओर से 15 दिवसीय अभिनय कार्यशाला के अंतिम दिन मिथिलेश कुमार पांडे के निर्देशन में "अंधेर नगरी" नाटक की प्रस्तुति की गई। अंधेर नगरी आधुनिक नाटक के सूत्रधार भारतेंदु हरिश्चंद्र की कृति है। इस नाटक के माध्यम से नाटककार ने तत्कालीन भारत में व्याप्त गोरी सरकार के अनीतिपूर्ण शासन पर कटाक्ष किया है। नाटक लेखन के कई वर्ष बीत जाने के बाद आज भी प्रासंगिक लगता है। इस नाटक के पत्रों ने अपने अभिनय से सब को प्रभावित किया। इसमें सरल भाषा व इसके व्यंग ने संमा बांध दिया। प्रस्तुति को जीवंत बनाने में सभी कलाकारों ने सराहनीय भूमिका अदा की। नाटक को मंच पर साकार किया-अमन कुमार, करण कुमार, रोहित राज, हुस्ना फातिमा, प्रिया कुमारी, अशोक कुमार श्रीवास्तव रंजन कुमार, हरिकांत, प्रमोद कुमार, श्रीकांत कुमार, विशेष कुमार, देव दर्शन व अन्य ने अपनी भूमिका निभाई। नाटक के उद्घोषक महेश चौधरी ने ऐसा समां बांधा की मंच के सभागार तालियों से गुंजता रहा। नाटक में संगीत- अमन राज ने दिया हारमोनियम पर अमरजीत प्रकाश शर्मा वही नाल पर कामेश्वर प्रसाद थे। मंच के सचिव महेश चौधरी के द्वारा सभी कलाकारों को मेडल और नव वर्ष का कैलेंडर देकर सम्मानित किया गया।

महिलाओं की सुरक्षा के लिये बनाये गये कानून का हो रहा गलत उपयोग :माधुरी बरनवाल

गया। वजीरगंज बाजार स्थित बरनवाल धर्मसगा भवन में रविवार को बरनवाल समाज के लोगो ने महाराजा अहिबरन महाराज की जयंती एवं बरनवाल मिलन समारोह का आयोजन किया। सबसे पहले बरनवाल समाज के उत्पत्तिकर्ता राजा अहिबरन की पूजा-अर्चना की गई,उसके बाद मिलन समारोह किया गया।जिसमें सांकृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त समारोह में गया, हिसुआ एवं नवादा के बरनवाल समाज के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। आगत अतिथियों को माल्यार्पण करते हुए अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए नवादा महिला मंडल की अध्यक्ष माधुरी बरनवाल ने कहा कि आज महिलाओं को पुरूषों के बराबर शिक्षा प्रदान की जा रही है, लेकिन समाज में कुछ ऐसी महिलाएं भी देखी जा रही है, जिसके प्रताड़ना से उसके ससुराल वाले परेशान हैं और कई लड़कों ने तो आत्महत्या तक कर ली है,जो शर्मनाक है। महिलाओं की सुरक्षा के लिये बनाये गये कानून का गलत फायदा न उठायें। समारोह के दरम्यान बरनवाल समाज की बालिकाओ ने देश की विरांगनाओं की गाथा पर आधारित शौर्य गान का मंचन भी किया।इसके अतिरिक्त कई बालक बालिकाओ के द्वारा एक से बढ़कर एक गीत संगीत नृत्य आदि कार्यक्रम द्वारा दर्शकों का दिल जीत लिया। जिसे सभी लोगों ने खूब सराहा। इस मौके पर नवादा जिलाध्यक्ष सुबोध लाल बरनवाल, गया के प्रेम प्रकाश पवन, हिसुआ के पुरूषोत्तम बरनवाल, प्रियंका बरनवाल सहित स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वजीरगंज में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार का हुआ भव्य स्वागत

गया। वजीरगंज क्षेत्र भ्रमण के दौरान रविवार को बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार का गया-राजगीर राष्ट्रीय उच्च मार्ग 82 फोरलेन बाईपास पर दखिनगांव-पुरा मोड़ के निकट कुशवाहा समाज एवं जदयू समर्थकों ने गर्मजोशी के साथ मंत्री को माला पहनाकर स्वागत किया। मंत्री श्रवण कुमार ने सभी को धन्यवाद दिया।इस मौके पर जदयू नेता उमेश वर्मा, प्रमुख प्रतिनिधि अर्जून प्रसाद, पिंकू वर्मा, संजीव कुमार संतु, जगदेव प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य शशिभूषण प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि परमानंद कुशवाहा, अखिलेश कुशवाहा, सुनील गुरु, चन्दन कुमार, यमुना प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

छपरा में होगा नौवां राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम 2025 की आयोजन समिति की दूसरी बैठक दीक्षा स्कूल, छपरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा, प्रचार-प्रसार की रणनीतियों और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई ।बैठक का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम 2025 के आधिकारिक लोगो का शुभारंभ था। इस लोगो का अनावरण संस्था के अध्यक्ष मन्टू कुमार यादव और सचिव रंजीत कुमार ने किया। लोगो लॉन्च के अवसर पर समिति के सदस्यों ने इसे राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम की पहचान बताया। लोगो युवाओं के साथ जुड़ने और उनके अंदर नेतृत्व, सशक्तिकरण और भाईचारे की भावना जागृत करने का माध्यम बनेगा,इस कार्यक्रम में आयोजन समिति के कई प्रमुख सदस्य (ऑनलाइन और ऑफलाइन) ने भाग लिया और अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई, फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व के लिए तैयार करना है। बैठक में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष प्रिंस कुमार, प्रभारी राज्य संयोजक मक्रेसर पंडित, मयंक सिंह, तान्या मेहता ,तृषा ,अर्पित राज ,अजय सिंह ,मनजीत कुमार, दुर्गेश कुमार, रंजन कुमार ,शुभम कुमार, अनीश कुमार ,निशा कुमारी, स्वराजिता कुमारी,सनी सुमन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जेपीयू के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्याम शरण को मिला "बिहार गौरव सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के अन्तर्गत कमला राय कॉलेज के हिन्दी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. श्याम शरण को शिक्षा के क्षेत्र में प्रांतीय स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए "बिहार गौरव सम्मान – 2025" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें आम्रपाली कला साहित्य सम्मेलन, वैशाली, बिहार और भारत एवं सार्क जर्नलिस्ट फोरम काठमांडू, नेपाल के सौजन्य से भगवान महावीर की जन्म स्थली बासोकुण्ड, वैशाली, बिहार स्थित सभागार में आयोजित एक समारोह में दिया गया। सम्मान के दौरान डॉ. सरिता बुधु, अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति संवाहिका, मॉरीशस ने उन्हें अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह और सम्मान पत्र प्रदान किया। बताते चलें कि डॉ. श्याम शरण को इससे पूर्व भी कई प्रतिष्ठित सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें डाक विभाग द्वारा हिन्दी में उत्कृष्ट लेखन के लिए "राज भाषा गौरव सम्मान-2016" से नवाजा जा चुका है। इसके अलावा, 2015 में वन्दे मातरम् सम्मान, 2016 में सारण गौरव सम्मान, 2020 में आचार्य श्रीरंजन सुरिदेव स्मृति सम्मान, 2023 में "हिन्दी-रत्न" सम्मान, और 2024 में गुरु सम्मान जैसे विशिष्ट पुरस्कार मिल चुके हैं। यह सम्मान डॉ. शरण की हिन्दी साहित्य और भाषा में मूल्यवान सेवाओं की पहचान है, जो उनके अथक प्रयासों और योगदान की सराहना करता है।

छत्तीसगढ़ के युवा पत्रकार के हत्या की हो सीबीआई जांच : अमित नयन

नई सोच एक्सप्रेस

» पत्रकार ने 120 करोड़ की लागत की रोड प्रोजेक्ट में बड़ी धांधली को किया था उजागर

भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के संस्थापक सह अध्यक्ष अमित नयन

छपरा। सामाजिक संगठन भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के संस्थापक सह अध्यक्ष अमित नयन ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए छत्तीसगढ़ के युवा निर्भीक पत्रकार मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या पर गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ हीं उन्होंने इस केस की जांच सीबीआई से कराने की मांग छत्तीसगढ़ सरकार एवं केंद्र सरकार से की। बताते चलें की मुकेश चंद्राकर ने 120 करोड़ की लागत की रोड प्रोजेक्ट में बड़ी धांधली को उजागर किया था। मुकेश एक जनवरी से लापता थे,दो दिन बाद उसी प्रोजेक्ट के ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के सेप्टिक टैंक में तीन जनवरी को मुकेश का शव मिला। अमित नयन ने इस निर्मम हत्या की जांच सीबीआई से करने की मांग छत्तीसगढ़ सरकार से की है ताकि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ इंसाफ हो सके तथा दोषियों को कठोर से कठोर सजा मिल सके। देश में निर्भीक पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों के साथ न्याय किया जा सके। अमित नयन ने कहा कि निर्भीक पत्रकारिता हीं सही खबर जनमानस तक पहुंचते हैं।राष्ट्र निर्माण में चौथी स्तंभ का काफी महत्व है जो देश की दशा और दिशा दोनों तय करता है।

निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। छपरा नगर निगम की उपमेयर रागिनी देवी के द्वारा शहर के साह बनवारी लाल पोखर परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल मस्ती चौक की टीम ने करीब 500 मरीजों का नेत्र जांच कर उन्हें आवश्यतानुसार दवा एवं चश्मा प्रदान किया। इस मौके पर रागिनी देवी एवं पिंटू कुमार ने बताया गया कि उनके द्वारा समय-समय पर जरूरतमंदों के लिए निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बीते महीने भी उनके द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन भारत मिलाप चौक स्थित गुरुद्वारा परिसर में किया गया था। इस कैंप के माध्यम से गरीबों के आंखों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन भी मस्तीचक अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल में कराया जाएगा।

महामंत्री अपने संबोधन में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने एवं इसके लिए संघर्ष करने का आह्वाहन किया

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। माधुरी चौंक मे ओ बी सी मंडलीय कार्यालय समस्तीपुर मंडल में आयोजित की गई। अधिवेशन की शुरुआत ओ बी सी रेलवे इम्प्लाइज एसोसियेशन ऑफ ईस्ट सेंट्रल रेलवे हाजीपुर मंत्री सुबोध पोद्दार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया तत्पश्चात संविधान रचयिता भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर एवं मंडल कमीशन के जनक एवं भूतपूर्व बिहार के मुख्य मंत्री बी पी मंडल के स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई ।महामंत्री अपने संबोधन में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने एवं इसके लिए संघर्ष करने का आह्वाहन किया।उन्होंने रेल प्रशासन से अनुरोध किया कि रेलवे बोर्ड द्वारा दी गई संगठन की सुविधा को अविलंब बहाल करे साथ ही साथ ओबीसी रेलवे कर्मचारियों के हितों के कल्याण में गति प्रदान किया जाए शैलेन्द्र कुमार को मंडल अध्यक्ष एवं महेश कुमार को मंडल मंत्री निर्वाचित किया गया। अजीत कुमार,विनोद यादव,विनीत कुमार,वेद कुमार,कुंदन कुमार,संतोष सिंह,इंद्रजीत कुमार,अंगद कुमार ,पुष्पक कुमार,अजय कुमार,विनय कुमार , कवींद्र कुमार के साथ अन्य मंडल पदधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव पर्यवेक्षक रविन्द्र कुमार द्वारा घोषणा किया गया जिसका उपस्थित ओबीसी कर्मचारियों एवं मंच पर उपस्थित सभी वरीय पदाधिकारियों द्वारा हाथ उठाकर सर्वसम्मति प्रदान किया गया। नव निर्वाचित मंडल मंत्री महेश कुमार।समारोह में मंच पर SC ,ST एसोसियेशन के भूत पूर्व मंडल मंत्री लाल बाबू राम,महामंत्री सुबोध पोद्दार, नर्मेदेश्वर यादव,दयाशंकर AILRSA नेता, रामबाबू राय,संतोषजी,रंजीतजी,सुनील जी,विभाष,जी, भुवनेश्वर जी,राजीव रंजन, पाल जी आदि लोग उपस्थित थे।

भारत में महिला शिक्षा की प्रणेता थीं सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख- बंदना सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख का संयुक्त जयंती समारोह मनाया गया

समस्तीपुर/ताजपुर। प्रखंड क्षेत्र के मौलानाचक स्थित दलित बस्ती में ऐपवा जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख के चित्र पर माल्यार्पण कर 194वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। मौके पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए ऐपवा जिला अध्यक्ष बंदना सिंह ने सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारक और मराठी कवियित्री थीं। उन्होंने 1852 में बालिकाओं के लिए पहले विद्यालय की स्थापना की। वे सामाजिक क्रांति की अग्रदूत थीं। वे सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि बाल विवाह, विधवा उत्पीड़न जैसी कुरितियों पर अंकुश लगाने को लेकर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख हम तमाम महिलाओं के लिए आदर्श व्यक्तित्व एवं कृतित्व हैं। उन्होंने हर तरह की प्रताड़ना का सहन करते हुए महिला को शिक्षित करने का जिम्मा उठाया। उस समय की सामंती व्यवस्था उनके उपर कीचड़, गोबर फेंका करती थी और उन्हें शिक्षा-दिक्षा का काम छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता था लेकिन वे अपने रास्ते से पीछे नहीं हटीं। वे इस तरह से महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। आज जब एक ओर हर क्षेत्र में महिलाएं अपने परचम लहरा रहीं हैं, आगे बढ़ रही हैं तो दूसरी ओर वे विभिन्न प्रताड़ना की शिकार भी हो रहीं हैं। उनके साथ ब्लातकार, छेड़खानी एवं हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। मोदी एवं नीतीश सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देती है वहीं महिलाओं की इज्जत-आबरू के साथ खिलवाड़ होता है महिलाओं के उपर सामाजिक व्यवस्था टिकी हुई है और वह परिवार को चलाते हुए समाज को भी बेहतर बनाने के लिए काम करती हैं लेकिन उन्हें सम्मान नहीं मिल पाता है। महिलाओं को अपने मान-सम्मान की रक्षा और अपना अधिकार पाने के लिए, आगे बढ़ने के लिए संगठित होकर अपने हक-अधिकार की लड़ाई लड़नी होगी। मौके पर भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह, शाखा सचिव रामचंद्र पासवान समेत अनीता देवी, सुनैना देवी, गीता कुमारी, राधा कुमारी, सावित्री देवी आदि बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। भाकपा माले द्वारा आहूत 9 मार्च को पटना महाजुटान में भाग लेकर सफल बनाने की अपील की गई।

सांसद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। हसनपुर प्रखंड के हसनपुर गांव स्थित जिप सदस्य सुजीत कुमार सिंह के आवासीय परिसर में रविवार को सांसद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर सांसद को मिथिला परंपरा द्वारा पाग,माला व शॉल से सम्मानित किया गया। समारोह में सांसद राजेश वर्मा,पूर्व विधायक राजकुमार राय,सिकंदर आलम, बैजनाथ झा सहित अन्य नेताओं ने अपने-अपने विचार रखे। वहीं वही ग्रामीणों ने एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव की मांग की,जिसपर सांसद ने भरोसा जताया कि जल्द से जल्द हसनपुर में एक्सप्रेस ट्रेनों की ठहराव कराया जाएगा। सांसद ने हसनपुर के विकास के लिए हर स्तर पर प्रयास का भरोसा दिलाया। अध्यक्षता समाजसेवी कुंदन सिंह ने की। मौके पर आलोक मुरथलिया,निशांत अग्रवाल, विजय यादव,संदीप पाटिल,बुलु दास,ऋतुध्वज राय, स्वीकृति प्रियंका,गायत्री सिंह,मो. जियाउद्दीन,मोहन सिंह,राजीव कुमार सिंह उर्फ पिंकू सिंह आदि मौजूद थे।

29 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा वांछित सक्रिय नक्सली को किया गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

गया। गुप्त सूचना के आधार एच. के. गुप्ता, कमांडेंट, 29 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गया के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश के आलोक में 29 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गया की 'एफ' – समवाय बन्नूबगीचा, स्थानीय पुलिस एवं एस.टी. एफ जिला – लखीसराय के साथ संयुक्त अभियान के दौरान एक वांछित नक्सल, छोटे लाल कोड़ा उर्फ माधो उर्फ माधव कोड़ा (48 वर्ष), पिता स्व. रामेश्वर कोड़ा, गाँव- हथदिया, थाना-पिरिबाजार, जिला-लखीसराय को न्यू बाकुरा मोड़, थाना-बन्नूबगीचा, जिला-लखीसराय से गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि उक्त नक्सली के विरूद्ध थाना- कजरा,लखीसराय में अपराध संख्या 98/20, 79/21 एवं थाना पीरीबाजार में अपराध संख्या 133/21 में वांछित था। गिरफ्तार नक्सली को थाना-कजरा में अग्रिम कार्यवाही के हेतु सौप दिया गया।

लेट्स इंस्पायर बिहार

राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑडिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

ईमानदार कार्य और मातृभूमि के लिए किए गए साहस की प्रशंसा हो

[बिहारवासियों को अपने बिहार के लिए वर्तमान समय में चिन्तन करना होगा। जनसंख्या नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता दर की वृद्धि, स्वरोजगार के लिए युवाओं को प्रेरित करना जैसे गंभीर मुद्दों पर परिचर्चा करना होगा। सुखद अनुभूति यह हुई है कि आईपीएस विकास वैभव ने लेट्स इंस्पायर बिहार एक मंच इसी कारण से बनाया है। इसके लिए हर ईमानदार को उनकी प्रशंसा करनी चाहिए।]

नई सोच एक्सप्रेस

विश्व ने बिहार के प्रशासनिक ढांचे को स्वीकर कर इसे अपनाया। पूर्वजों ने इस तरह के विश्वविद्यालयों का निर्माण किया, जिसकी ओर विश्व के अन्य हिस्सों के विद्वानों के कदम स्वतः ही बढ़ जाते थें। आज उसी बिहार को देख रहा हूं। मानवीय संवेदनाओं को विकसित करने वाले प्रयासों को भी नजदीक से देख रहा हूं। अगर हम छोटी छोटी बातों पर आपस में उलझते रहेंगे तो अपने बिहार का निर्माण असंभव हैं। जातिवाद, क्षेत्रवाद जैसे लघुवादों से उपर उठकर अपने बिहार को विश्व का ताज बनाने का प्रयास करना होगा। अगर, बिहारवासियों ने ऐसा नहीं किया और आपस में लघुवादों के जाल में फंसकर लड़ते रहें तो प्रलय निश्चित है। अपना बिहार, यहां की आबोहवा को सुंदर रखने की ज्वाबदेही हम सब की नैतिक जवाबदेही है। मिट्टी का प्रदूषण, वायु का प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण तो मानव जीवन के अस्तित्व को खतरे में डाल ही रहा है। बिगड़ती मानसिकता से उपजे लघुवाद ने हर क्षण विषबेल लताओं को बोने का कार्य कर रहा है। दूषित हवा में सांस लेने होने वाली बीमारियां और अस्पतालों के बिल के बोझ को ढोते निर्दोष आदमी हम सब के करीबी और रिश्तेदार ही होते हैं।जनसंख्या वृद्धि दर के प्रभाव से बढ़ते दानवीय पंजों ने समाज को टुकड़े में बांट दिया है। इसके अलावा ये दानवीय पंजे समाज में बेरोजगारी, अपराध और स्वास्थ की विकट परिस्थितियों को उत्पन्न करने में अहम भूमिका निभाई है। 1991 से 2001 के बीच बिहार की जनसंख्या वृद्धि दर सबसे ज्यादा 28.6% हो गई थी। 2011 में बिहार की कुल जनसंख्या 10.38 करोड़ थी। 1951 में बिहार की कुल जनसंख्या 2.9 करोड़ थी। जो 2021 में 12.7 करोड़ हो गई। इन आंकड़ों के हिसाब से 2023 में बिहार की अनुमानित कुल जनसंख्या लगभग 14 से 15 करोड़ के बीच होगी। यानी लगभग 70 सालों के बीच बिहार की आबादी 5 गुणा बढ़ गई हैं। इन 70 सालों के बीच के बड़ा बदलाव 15 नवंबर 2000 को झारखंड बिहार से अलग हो गया। मतलब बिहार को सुखी संपन्न करने वाला क्षेत्र अलग राज्य के रुप में अस्तित्व में आ गया। जनसंख्या वृद्धि दर में वृद्धि और साक्षरता दर में कमी बिहार में बेरोजगारी दर को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दे दिया। सेंटर फार मॉनिटरिंग इंडियन इकोनामी (CMII) के अनुसार बिहार की बेरोजगारी का मुख्य कारण है धीमी आर्थिक वृद्धि और प्रमुख उद्योगों का ना होना है जो, जनसंख्या के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने में विफल हैं। बिहार का सबसे पुराना जिला पूर्णिया है जो 1770 में अस्तित्व में आया, दुर्भाग्य से बिहार का सबसे कम साक्षर जिला हैं। जबकि, जनसंख्या 40.29 लाख है। सबसे ज्यादा स्वास्थ संबंधी समस्याएं पूर्णिया जिले में ही हैं। जबकि, रोहतास बिहार का सबसे ज्यादा साक्षर जिला हैं। और, स्वास्थ संबंधी समस्याएं कम है। इसका मतलब साफ है कि जनसंख्या को सभ्यता और संस्कृति का अमृत पान कराना हैं तो उन्हें साक्षर करना अति आवश्यक है। समाज में व्याप्त अपराध को कम करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण जरूरी है। बेरोजगारी दर को कम करने के लिए बिहार के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना होगा। वर्तमान बिहार कई दानवीय पंजों से जकड़ा हुआ है। जातिवाद, धर्मवाद और क्षेत्रवाद जैसे लघुवाद बिहार को विषबेल लताओं की भांति घेरे हुए हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण संरक्षण को लेकर है। वनों का प्रतिशत लगातार घट रहा हैं। जहां एक ओर बिहार में 33 प्रतिशत वन होने चाहिए थे। वहीं दुसरी ओर बिहार में वनों का प्रतिशत मात्र 7.44 प्रतिशत हैं। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से आईपीएस विकास वैभव लगातार युवाओं को राज्य हित के लिए कार्य करने के लिए, प्रेरित करते रहते है। बिहारवासियों को अपने बिहार के लिए वर्तमान समय में चिन्तन करना होगा। जनसंख्या नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता दर की वृद्धि, स्वरोजगार के लिए युवाओं को प्रेरित करना जैसे गंभीर मुद्दों पर परिचर्चा करना होगा। सुखद अनुभूति यह हुई है कि आईपीएस विकास वैभव ने लेट्स इंस्पायर बिहार एक मंच इसी कारण से बना दिया है। उनके साथ अब इस यात्रा में बहुत से लोग चल पड़े हैं। अब बारी आपकी है,बिहार में बढ़ रहे विषबेल लताओं को जड़ से नष्ट करने के लिए, दूसरों पर निर्भर मत रहिए। बढ़ रहे प्रदूषण पर चिन्ता नहीं कीजिए, चिंतन कीजिए। मैं अपने बिहार पर लिख रहा हूं, यहीं मेरा योगदान है। आप भी थोड़ा समय निकालिए कुछ बिहार पर साकारात्मक लिखिए, देखिएगा सुकून की नींद आएगी। हम पढ़ लिखकर अगर दो शब्द अपने बिहार के लिए लिख रहे हैं तो यह भी राज्य हित में सार्थक सहयोग ही है। आईपीएस विकास वैभव भी साइलेंट पेज से ब्लॉग लिखे, इतिहास पर लिखे, युवाओं पर लिखे, बिहार पर चिंतन के लेख लिखे तब युवाओं की आस उनसे बढ़ गई। सबके आग्रह पर चिंतन कर लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान का संदेश देते हुए, वाट्स एप का एक बेहतरीन मंच बनाए। अब आप से आग्रह है थोड़ा वक्त बिहार के लिए निकाले, अपने मिट्टी से जुड़े और जिसके पास जो सामर्थ्य है उसी से सहयोग करते हुए, बिहार के वातावरण को सुंदर बनाने का पवित्र कार्य करें। बिहार की बेहतरी के लिए और युवाओं को प्रेरित करने के लिए आईपीएस विकास वैभव आगे आएं है। कैसे बिहार सुंदर हो इसके लिए लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से लगातार युवाओं को चिन्तन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके लिए आईपीएस विकास वैभव के साहस की प्रशंसा हर ईमानदार को करना चाहिए। सुंदर वातावरण बनाने हेतु बिहार में वृक्ष लगाएं। चिन्तन करें कि कैसे बिहार भारत का सबसे खूबसूरत राज्य बन जाएं। केवल चिन्तन करने से ही हल निकलेगा। आइए, मिलकर बिहार को प्रेरित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीसीएम ट्रक की ठोकर से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

ठंड एवं कोहरे का फायदा उठाते हुए ड्राइवर ट्रक लेकर भाग निकले

समस्तीपुर । दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के बल्लोचक निवासी 50 वर्षीय दुखन राय को अहले सुबह अग्यात वाहन के ठोकर लगने से घटना स्थल पर ही मौत हो गया। बताया जा रहा है कि दुखन राय अपने दरवाजे पर तकरीबन सुबह के 6 बजे मवेशी के चारा देकर लौट रहे थे इसी बीच पश्चिम दिशा से आ रही बालू लदा डीसीएम ट्रक ठोकर मार दिया ,ठोकर लगने के बाद दुखन राय बुरी तरह जख्मी हो गय, वही ठोकर के आवाज सुनते ही आसपास के लोग घटना स्थल पर दौड़कर पहुचा जहां दुखन राय को मृत शरीर देख लोग आक्रोशित हो गया।उधर ठंड एवं कोहरे का फायदा उठाते हुए ट्रक ड्राइवर भाग निकले, स्थानीय लोग शव को लेकर हाजीपुर दलसिंहसराय सड़क को जाम कर दिया।जिसकी सुचना दलसिंहसराय थाना को मिली थाना अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुँच कर लोगों को समझाया बुझाया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया उसके बाद सड़क पर यातायात बहाल किया गया। समाचार लिखने तक गाड़ी की पता नहीं चला था।

तथागत पब्लिक स्कूल का 8वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

जहानाबाद। तथागत पब्लिक स्कूल ने अपना 8वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में कहा कि बेहतरीन व्यवस्था के साथ विद्यालय चलाने के लिए निदेशक धीरेन्द्र कुमार शर्मा (पंकज शर्मा) को धन्यवाद देता हूँ जो ग्रामीण क्षेत्र में रहकर शहरों जैसी सुविधाएं देते हैं। इन्होंने अपने विद्यालय में साइंस प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लासेस, प्रोजेक्टर एवं अन्य सुविधाएं देते हैं। इन्होंने शिक्षा के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए अभिभावकों से अनुरोध किया कि आप भी घर पर ऐसा माहौल बनाये की बच्चों को पढ़ाना आसान हो। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पम्पी शर्मा, रितेश शर्मा (चुन्नू शर्मा) संतोष मांझी आदि ने भी अपने वक्तव्य में विद्यालय के बच्चों के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को देखते हुए विद्यालय की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक धीरेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी बेहतरीन शिक्षा पायें। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी तरह के सुविधा उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश है। पूर्ण आशा एवं विश्वास के साथ यह कह सकते हैं की हमारा विद्यालय भी आने वाले समय में जिला का अव्वल विद्यालय कहलाये जो कम ख़र्च में बेहतरीन शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंन सी.बी.एस.ई मॉडल स्कूल के लिए एक नए भवन भी बनाये जाने की बात कही। विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रमों से आगत अथितियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य नवल किशोर शर्मा, समीना एवं छात्रा सौम्या शिखा ने किया। इस कार्यक्रम के समापन भाषण में प्राचार्य नवल किशोर शर्मा ने इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए प्रशासक रामनिवास शर्मा एवं पूरे शिक्षक समुह को कोटि कोटि धन्यावाद दिया है।

रेलवे स्कूल में पूर्ववर्ती छात्र नव वर्ष मिलन समारोह

दानापुर । ईसीआर सिनियर सेकेन्ड्री स्कूल दानापुर में रविवार को पूर्ववर्ती छात्र नव वर्ष मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रों के चहेते शिक्षक जितेन्द्र प्रसाद के सेवानृवित होने के पहले उन्हे मोमेंटो देकर एवं प्राचार्य ज्ञानेश्वर के साथ केट काटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर जितेन्द्र प्रसाद ने कहा कि पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा जो सम्मान मिला उसे ताउम्र याद रहेगा। इस मौके पर पूर्ववर्ती छात्र देव कुमार लाल ने अपनी संगीत से सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर सुशील प्रसाद, फनीस चन्द्र अकेला, मिन्टू, राकेश सिंह, प्रेमानंद राय, गुरू, अमरजीत, चन्द्र शेखर भगत, मोहन पासवान, गोरंग मजुंमदार, आनंद सलोना के अलावा कई पूर्ववर्ती छात्र मौजूद थे।

सेवानिवृत रेल कर्मचारियों ने लिट्टी चोखा और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया नव वर्ष का स्वागत

दानापुर । नववर्ष 2025 के उपलक्ष्य में दानापुर रेल मंडल के सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों ने लिट्टी चोखा के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवे मेंस फेडरेशन, दानापुर शाखा के अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सेवानिवृत रेल कर्मचारियों की समस्याओं और कल्याणार्थ आयोजित सभा की अध्यक्षता यू०एस०सिन्हा ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि रेलवे के आयुर्वेद डाक्टर ए०के०श्रीवास्तव ने स्वस्थ रहने का उपाय बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्य भूमिका अवधेश कुमार सिन्हा, शिशिर कुमार सिन्हा, अशोक गुप्ता, रधुनाथ प्रसाद एवं नागेश्वर प्रसाद आदि ने महत्वपूर्ण योगदान किया है।

किडनी में स्टोन देखते ही तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी

नई सोच एक्सप्रेस

» होम्योपैथिक दवा से ठीक हो गया
» होम्योपैथी में है कारगर इलाज

फतुहा। मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता भाजपा नगर मंडल के उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा ने किया तो तथा संचालन ममता पटेल, मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण पटेल। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि होम्योपैथी दर्जनों दवा है जो पथरी को गला देता है। किडनी में स्टोन ? अल्ट्रासाउंड में स्टोन आते ही तुरंत ऑपरेशन का निर्णय ले ली जाती है। ऑपरेशन के नाम से पूरे परिवार दहशत की तरह फैल जाती है। फतुहा में ही पत्थर और पथरी का आम जीवन में बहुत ही अहमियत है। बड़े-बड़े किले और भवन, सड़क आदि में पत्थर के बड़े-बड़े टुकड़े से लेकर पत्थर के चिप्स की जरूरत पड़ती है। यदि पत्थर न हो तो विकास की कल्पना ही नहीं की जा सकती आज रोजी रोजगार का साधन भी हो गया है पत्थर। अनेकों क्रशर मशीन देश दुनिया में कार्यरत है जिसमें लाखों लोगों को रोजगार मिल जाता है। कुछ डायरेक्टर कुछ इनडायरेक्ट रूप में। लेकिन यही पत्थर का ढेर कहीं अनावश्यक रूप से हो तो तकलीफ का कारण बन जाता है। इसी तरह शरीर के अंदर यदि इसका निर्माण हो जाता है तो फिर रोगी की परेशानी बढ़ जाती है। पथरी शरीर के दो भीतरी भागों में बनता है। एक पिताशय में और एक किडनी में दोनों स्थानों का पथरी काफी कष्टदाई होता है । इस रोग का होम्योपैथी में अनेकों कारगर दवा है। जो बिना किसी ऑपरेशन के पथरी को गला देता है या शरीर से बाहर निकाल देता है ऐसे ही रोग में से संबंधित कई दवाइयां का वर्णन नीचे की पंक्तियों में लिखा गया है।

लक्षणों के आधार पर होम्योपैथिक दवा -

(1) पित्ताशय में पथरी बनने पर कैली बाइक्रोम 3 से लेकर 200 शक्ति तक प्रयोग करने से पथरी गल जाती है और पथरी बना रुक जाता है।

(2) पेशाब में बहुत अधिक मात्रा में यूरेट और यूरिक एसिड रहने पर मुत्र नली से खून निकलने पर दवा कॉक्स कैक्टाई 3/30। लाल भूरे रंग का कड़वा, तीता गंध वाला पेशाब हो, पेशाब में भूरे रंग का हो तो लिथियम कलोरेटम मदर टिंचर से लेकर 200 तक दे सकते हैं। (3)गुर्दे में पथरी हो तो बर्बेरिस क्यू दवा थोड़ी-थोड़ी देर पर प्रयोग करने से जादू की तरह कार्य करता है और दर्द ठीक हो जाता है इसके नियमित प्रयोग से पत्तर निकल जाता है।

डॉक्टर केंट कहते हैं कि यह दवा मुत्राशय की पथरी को घोल देता है, यह दवा पेशाब के प्रकृति को इस प्रकार बदल देता है की पथरी बनना बंद हो जाता है और जो पत्तड़ी बना होता है वह घुल कर छोटी हो जाती है। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि इस पथरी बनने की प्रवृति को रोकने के लिए चायना 6एक्स कई महीना तक प्रयोग करना चाहिए। नेट्र सल्फ और नेट्रम फास और मूत्र पथरी की एक अच्छी दवा बताई जाती है। लक्षणों के आधार पर इन दवा को देनी चाहिए। चलीडोनियम मदर टिंचर, बारबेरिस भलगेरियस मदर टिंचर, कैलकेरिया कार्ब, डाय स्कोरिया , लाइकोपोडियम 200, ग्रैफाइटिस 30 । दो लक्ष्मीनारायण सिंह पटेल ने कहा कि अनिल कुमार शर्मा का बड़े पुत्र अंकुश कुमार का किडनी में स्टोन निकल। डॉक्टर ने कहा कि किसी भी स्थिति में आज ऑपरेशन करना होगा। अनिल कुमार शर्मा ने मुझे तुरंत फोन लगाकर स्थिति बताएं । मैंने कहा की चिंता कर सकता नहीं है होम्योपैथी दवा से बिल्कुल ठीक हो जाएगी । होम्योपैथी दवा से अंकुश कुमार बिल्कुल ठीक है। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर रेखा शर्मा, अंकुश कुमार ,अनीश कुमार, पुजा कुमारी, आदि शामिल रहे।

सोनू सूद, जैकलीन फर्नांडिस, राशा थडानी, अमन देवगन मलाड मस्ती में उपस्थित रहे

नई सोच एक्सप्रेस

मुम्बई। सोनू सूद, जैकलीन फर्नांडिस, राशा थडानी, अमन देवगन, डॉ योगेश लखानी सहित कई हस्तियों ने विधायक असलम शेख द्वारा आयोजित मलाड मस्ती 2025 में अपनी उपस्थिति से दर्शकों को बेहद एंटरटेन किया। सोनू सूद, जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी आने वाली फ़िल्म फतेह को पब्लिक के सामने प्रोमोट किया। सोनू सूद ने कहा कि आज बहुत स्पेशल दिन है। 10 जनवरी को हमारी फ़िल्म फतेह आ रही है। यह मेरी आज तक की सबसे खास फ़िल्म है क्योंकि पहली बार मैंने डायरेक्ट भी की है। इसमे मुझे जैकलीन फर्नांडिस के साथ काम करने का मौका मिला। असलम शेख का बहुत शुक्रिया। 8 वर्षो से वह मलाड मस्ती करते आ रहे हैं और हम जब भी आते हैं उनका भरपूर प्यार मिलता है।" फैन्स के बीच अति उत्साहित जैकलीन ने कहा कि मलाड मस्ती में यह मेरा पहला साल है लेकिन मैंने बहुत मस्ती की और मैं आने वाले वर्षो में भी आती रहूंगी। आप सब 10 जनवरी को हमारी फ़िल्म फतेह सिनेमाघरों में देखने जरूर जाएं, आप एन्जॉय करेंगे।" अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी फिल्म आजाद से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। इन दोनों ने स्टेज पर अपनी मौजूदगी से सुबह सुबह आई भीड़ में उत्साह भर दिया।राशा ने स्टेज पर डांस भी किया। राशा ने अपने डांस, प्रतिभा और ऊर्जा से सभी ऑडिएंस का दिल जीत लिया। वे दोनों पब्लिक के बीच मे भी गए, अपने फैन्स के साथ सेल्फी ली। राशा ने बताया कि मलाड मस्ती में आकर मैं बहुत उत्साहित हूं। हमारी फ़िल्म आज़ाद 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होने जा रही है। आप सब थिएटर में हमारी फ़िल्म देखें।" सभी मेहमानों ने इस मस्ती भरे आयोजन के लिए असलम शेख का बहुत आभार जताया। मलाड मस्ती का यह 8वां साल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। एमएलए असलम शेख लगातार कई सालों से बहुत धूमधाम से मलाड मस्ती का आयोजन करते आ रहे हैं और इसमे बॉलीवुड स्टार्स, सिंगर, कॉमेडियन ,डांसर पहुंचकर इस कार्यक्रम में चार चांद लगा देते हैं। इस मलाड मस्ती को गोल्ड मेडल कंपनी और कई लोग स्पांसर करते हैं।

जिलाधिकारी ने लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत अपीलीय मामलों की सुनवाई किया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत 10 अपीलीय मामलों की सुनवाई की गई। इनमें से 01 मामले का निष्पादन किया गया जो अंचल अधिकारी जहानाबाद सदर के अवर निबंधक पदाधिकारी को प्रतिवेदन उपलब्ध कराने से संबंधित था। शेष 9 मामलों में से 3 अंचल अधिकारी, जहानाबाद सदर का था जो नली गली विवाद, भू-लगान निर्धारण और जमाबंदी से संबंधित था। इसके अलावा कार्यपालक अभियंता, विद्युत का 1 मामला बिजली चोरी से संबंधित था। प्रखंड विकास पदाधिकारी घोसी का 1 मामला इंदिरा आवास योजना से संबंधित था। प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, रतनी फरीदपुर का 1 मामला नली गली विवाद से संबंधित था और अंचल अधिकारी, मखदुमपुर का 1 मामला अतिक्रमण से संबंधित था। इन सभी 9 मामलों पर गहन समीक्षा के बाद संबंधित लोक प्राधिकार को आवश्यक कार्रवाई करने और अगली तिथि पर विस्तृत जांच प्रतिवेदन के साथ निश्चित रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। सभी प्राधिकार एवं परिवादी सुनवाई में उपस्थित थे।

पतंजलि योग समिति कटिहार ने 31 वां स्थापना दिवस मनाया

नई सोच एक्सप्रेस

» बच्चें ही परिवार समाज एवं राष्ट्र का भविष्य है:दयाशंकर राय

कटिहार। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान न्यास कटिहार के तत्वावधान में 31 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर योग, हवन के द्वारा पूरे पतंजलि परिवार के साथ सामूहिक रूप से कार्यक्रम का संचालन किया गया। भारत स्वाभिमान न्यास कटिहार के जिला प्रभारी दयाशंकर राय ने बताया कि भारतीय संस्कृति को विरासत योग आयुर्वेदिक यज्ञ एवं प्राकृतिक चिकित्सा पर विशेष रूप से चर्चा किया गया।इसे हरिद्वार से पहुचाने का संकल्प लिया गया। जिससे प्रत्येक व्यक्ति निरोग होने के साथ लंबी उम्र प्राप्त कर सके। जिला प्रभारी श्री राय ने बताया कि योग प्रत्येक व्यक्ति को किसी भी कार्य में योग्य बनाता है। यदि व्यक्ति आहार,बिहार यानी रहने, खाने का तौर तरीका सही कर ले, तो व्यक्ति बीमार नहीं पड़ेगा। पतंजलि परिवार द्वारा सभी सदस्यों से कहा गया कि अधिक से अधिक स्कूलों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ा जाए। जो सभी केंद्रीय बोर्ड तथा सीबीएसई बोर्ड के समान हैं। जिससे सभी बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके और बच्चे उच्च शिखर एवं संस्कार को प्राप्त कर सके। जिला प्रभारी श्री राय ने कहा कि बच्चे ही परिवार समाज एवं राष्ट्र का भविष्य है। इस प्रकार भारत विश्व गुरु बनकर सोने की चिड़िया कहलाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेंद्र पासवान, राजीव कुमार, सार्थक राय सिंघानिया, शिवम कुमार, सुभाष कुमार, सालिक कुमार, मनोज गुप्ता, विनोद प्रसाद,रंजन राय आदि ने सहयोग किया।

महाकुम्भ- 2025 के लिए अद्भुत कलाकृतियों से सजाया गया प्रयागराज रेलवे स्टेशन

नई सोच एक्सप्रेस

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 की भव्य तैयारियों के अंतर्गत भारतीय रेलवे ने प्रयागराज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक छवि को निखारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। "पेंट माई सिटी" अभियान के तहत प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों, जैसे प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, फाफामऊ, प्रयाग जंक्शन, झूंसी रेलवे स्टेशन, रामबाग रेलवे स्टेशन, छिवकी रेलवे स्टेशन, प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन, को कला और संस्कृति के अद्भुत केंद्रों में परिवर्तित कर दिया गया है। इन स्टेशनों की दीवारों पर हिंदू पौराणिक कथाओं और भारतीय परंपराओं को चित्रित करने वाले भव्य और आकर्षक कलाकृतियां बनाई गई हैं। रामायण, कृष्ण लीला, भगवान बुद्ध, शिव भक्ति, गंगा आरती और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आधारित ये कलाकृतियां श्रद्धालुओं और पर्यटकों को प्रयागराज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर से परिचित कराती हैं। रेलवे की यह पहल केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रयागराज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी दर्शाती है। इन कलाकृतियां में ऋषि परंपरा, गुरु-शिष्य परंपरा, ज्ञान और त्याग के महत्व को दिखाया गया है, जो प्रयागराज के आध्यात्मिक स्वरूप को और भी उजागर करते हैं। ये कलाकृतियाँ महाकुम्भ 2025 के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं । भारतीय रेलवे का यह प्रयास कला और विकास का संगम प्रस्तुत करता है। यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि महाकुम्भ 2025 में प्रयागराज आने वाले हर व्यक्ति को न केवल भव्य आयोजन का हिस्सा बनने का अवसर मिले, बल्कि वे इस शहर की गहराई और इसकी सांस्कृतिक जीवंतता को भी महसूस कर सकें।

बिहार में प्रति व्यक्ति आय 66,828 रुपए हो चुकी है:- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

बिहार शरीफ। बिहारशरीफ। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने सोमवार को बिहारशरीफ स्थित प्रखण्ड कार्यालय में दिव्यांगजनों के बीच ट्राई साइकिल का वितरण किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों की सुविधा और स्वतंत्रता में वृद्धि करना था। मंत्री श्रवण कुमार ने समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल का वितरण करते हुये कहा कि बिहार सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। साथ ही दिव्यांगजनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रयासरत है। दिव्यांगजनों को समाज में बराबरी का हक दिलाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होने कहा, हमारी सरकार का उद्देश्य हर एक व्यक्ति को समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है। दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं, और उन्हें समान अवसर देना हमारी प्राथमिकता है। इस ट्राई साइकिल वितरण से दिव्यांगजन को अपनी यात्रा में आसानी होगी और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक कदम और बढ़ सकेंगे।बिहार आज विकास दर में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला राज्य है। आज यहाँ प्रति व्यक्ति आय 66,828 रुपए हो चुकी है, जो 2005 में केवल 7,914 रुपए हुआ करती थी। यह संभव हुआ है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेक इरादों और दूरदर्शी नेतृत्व से।वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य की विकास दर 14.47 प्रतिशत रही, जो झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से कहीं आगे है मुख्यमंत्री का बिहार के विकास के प्रति दृढ़ संकल्प और नेक इरादों से बिहार प्रगति पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा,दिव्यांगजन के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। हमें अपने समाज के ऐसे वर्ग के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और हर संभव सहायता प्रदान करनी चाहिए। यह ट्राई साइकिल उन्हें अपनी दैनिक गतिविधियों में अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास प्रदान करेगी। इस अवसर पर कुल 23 दिव्यांगजन के बीच ट्राई साईकिल का वितरण किया गया जिसमें बिहारशरीफ प्रखंड़ के 10, अस्थावां प्रखंड के 6, नूरसराय प्रखंड के 4 और चंडी प्रखंड के 3 दिव्यांगजन शामिल थें। इस अवसर पर बिहारशरीफ के अंचलाधिकारी प्रभात रंजन, जदयू महानगर अध्यक्ष नदीम जफर उर्फ गुलरेज अंसारी, जदयू प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा उपेंद्र दिलवाला,रंजीत सिंह, संजय राम चंद्रवंशी, संजीत पटेल,आकाश कुमार काजल, राजू साव,नीतीश पाण्डेय, मनोज मुखिया, राशिद, मंटू कुशवाहा,नवीन राउत,अनुज कुमार,पूर्व मुखिया युगल किशोर प्रसाद विश्वास सिंह डी पी एस कुशवाहा राजीव स्वर्णकार मो राशिद इम्तियाज अंसारी,डब्ल्यू आदि मौजूद थें।

यूपीएससी परीक्षा पास कर आशुतोष बने अकाउंट आफिसर लोगों ने दी शुभकामनाएं

नई सोच एक्सप्रेस

» रसलपुर पंचायत के औगान गांव का निवासी है आशुतोष

भगवानपुर प्रखंड के रसलपुर पंचायत अंतर्गत औगान निवासी रामप्रीति चौधरी के छोटे पुत्र आशुतोष कुमार ने यूपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने घर परिवार समाज का नाम रोशन किया। ज्ञात हो कि आशुतोष कुमार ने दसवीं और बारहवीं तक की पढ़ाई पटना सेंट्रल स्कूल से की है। बारहवीं उत्तीर्णता के बाद आशुतोष ने जादवपुर विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग से बीटेक किया। फिर कुछ दिन इंजीनियरिंग की नौकरी करते हुए यूपीएससी की तैयारी की।पुरे बिहार से तेरह और बेगूसराय से सिर्फ एक अभ्यर्थी का चयन हुआ।जिसमें आशुतोष भी एक है। आशुतोष ने अपने सफलता का श्रेय अपने बीमार पिता के साथ साथ अपने परिवार को दिया है।आशुतोष बताते हैं कि बिना कोचिंग के सेल्फ एस्टडी से भी सफलता प्राप्त की जा सकती है इसके लिए अच्छे किताब का चयन बेहद जरूरी है। आशुतोष कुमार के पिताजी साधारण किसान हैं और बडा भाई रामपुर हाई स्कूल में गणित के शिक्षक हैं साथ ही साथ कई सामाजिक संगठनों के साथ जुड़कर काम भी करते रहे हैं।आशुतोष के चयन पर शुभकामना देते हुए माया कौशल्या फाउंडेशन के सचिव रौशन कुमार ने कहा आशुतोष शुरुआत से ही मेधावी छात्र के साथ साथ व्यवहार कुशल इंसान रहा है और आज अपनी मेहनत के दम पर सफलता प्राप्त की है।हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। इनके इस सफलता पर राम नंदन सिंह, रमेश,नवीन,राजीव,पंकज, संजीव, आदर्श आदि ने भी अपनी ओर से शुभकामनाएं दी।

निर्वाचन आयोग बिल्कुल बेफिक्र

अपने ताजा कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। भारतीय निर्वाचन आयोग की साख पर पहले से कई सवाल हैं, जिन्हें वह सिरे से नजरअंदाज करता आया है। अब उसके एक ताजा कदम से ये सवाल और गहरे होंगे। इस कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। अब आयोग से यह भी पूछा जाएगा कि वह अपने विवेक से ऐसे निर्णय लेता है, इसके लिए उस पर कोई दबाव है? आखिरकार ऐसे प्रश्नों के साथ भारत में चुनावों की विश्वसनीयता और लोकतंत्र का भविष्य जुड़ा हुआ है। ताजा मामले में आयोग ने एक नियम को बदल डाला है। नियम यह था कि अदालत ने अगर आदेश दिया, तो आयोग सार्वजनिक निरीक्षण के लिए अपने पास मौजूद सारे दस्तावेज संबंधित याचिकाकर्ता को देगा। इनमें वीडियो फुटेज भी शामिल हैं। अधिवक्ता महमूद प्राचा ने इसी नियम का सहारा लिया। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित वीडियो फुटेज सहित सभी दस्तावेजों की मांग की। हाई कोर्ट ने उनकी गुजारिश मान ली और निर्वाचन आयोग को इन सबको उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद आनन-फानन में आयोग ने वो नियम ही बदल डाला। अब प्रावधान किया गया है कि दस्तावेज के तहत वीडियो फुटेज शामिल नहीं होंगे। कारण यह बताया गया कि मूल नियम में ऐसा प्रावधान नहीं था। इस परिवर्तन के पहले राजनीतिक दलों से कोई राय-मशविरा नहीं किया गया। इसलिए विपक्ष के इस आरोप में दम है कि नियम में बदलाव परदादारी के लिए किया गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के संचालन में- खासकर ईवीएम को लेकर कांग्रेस ने कई गंभीर इल्जाम लगाए थे। वे आरोप सही थे या नहीं, ये बिल्कुल अलग मुद्दा है। मगर कोर्ट का आदेश आने के बाद संबंधित नियम में परिवर्तन ऐसा मामला है, जिससे शक पैदा होना लाजिमी है। चुनावों पर शक और सवालों का घेरा कसता जाए, यह पूरी तरह अवांछित है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग उसके ऐसे कदमों से बनने वाली धारणाओं को लेकर बिल्कुल बेफिक्र है।

बॉलीवुड के अनकहे किस्से, बस यही अपराध में हर बार करता हूं...

चार जनवरी, 2025 को प्रख्यात हिंदी कवि और गीतकार गोपालदास नीरज को 100वीं जयंती मनाई गई।लोकप्रिय मंचीय कवि होने के साथ उन्होंने अनेक फिल्मों के लिए कई यादगार गीत लिखे। उनके लिखे गीत-कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे...। बस यही अपराध में हर बार करता हूं...। शोखियों में घोला जाए थोड़ा सा शबाब...। फूलों के रंग से दिल की कलम से...। खिलते हैं गुल यहां खिल के बिखरने को...। चूड़ी नहीं ये मेरा दिल है...। ऐ भाई जरा देख के चलो...। आज भी शिद्दत से सुने जाते हैं। गोपालदास नीरज के पुत्र मिलन प्रभात "गुंजन " द्वारा पिता पर लिखी पुस्तक "नीरज की यादों का कारवां " में उन्होंने उनके अभावग्रस्त बचपन, पूरे जीवन संघर्ष और उनकी काव्य यात्रा उनके कवि सम्मेलनों उनका फिल्मों में पहुंचना, उनके ज्योतिष ज्ञान और अटल बिहारी वाजपेयी जी से उनके खास संबंध और उनके जीवन के कुछ अनछुए पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की है। नीरज का जन्म चार जनवरी, 1925 को पुरावली (इटावा) उत्तर प्रदेश में हुआ था। जब वह छह वर्ष के थे तभी उनके पिता गुजर गए । उनकी मां अपने पिता के पास इटावा चली आईं। आर्थिक हालत ठीक नहीं थे। इसलिए नीरज और उनके बड़े भाई को पढ़ने के लिए उनकी बुआ ने अपने पास एटा बुला लिया। साल 1942 में उन्होंने हाईस्कूल पास किया। इटावा में जीवनयापन के लिए उन्होंने कचहरी में टाइपिंग का काम किया और फिर दिल्ली में सप्लाई विभाग में टाइपिंग की नौकरी मिलने पर दिल्ली आ गए। उस समय उनकी तनख्वाह 67 रुपये थी जिसमें से वे 40 रुपये इटावा भेज देते थे। इस बीच वे कवि सम्मेलनों में निरंतर भाग ले रहे थे। किसी कवि सम्मेलन में उनकी कविता सुनकर हफीज जालंधरी ने सॉन्ग एंड ड्रामा डिवीजन में उन्हें 110 रुपये की नौकरी लगवा दी। लेकिन अंग्रेजों के खिलाफ कविता लिखने के कारण यह नौकरी भी जाती रही। अलग-अलग नौकरी करते हुए उन्होंने प्राइवेट इंटर और 1951 में बीए प्रथम श्रेणी में पास किया । इसके बाद मेरठ और कानपुर में कुछ समय नौकरी करने के बाद अंत में वे अलीगढ़ के डीएस कॉलेज में पढ़ाने लगे। उनका पूरे देश के कवि सम्मेलनों में आना-जाना लगा रहता था। वह उन दिनों मंच के सबसे चर्चित और पसंद किए जाने वाले कवि थे। मुंबई के बिरला मातुश्री सभागार में नौ फरवरी, 1960 को एक प्रोग्राम नीरज गीत गुंजन के नाम से हुआ, जिसमें आर चंद्रा जो कि अलीगढ़ के ही रहने वाले थे और उस समय के प्रसिद्ध हीरो भारत भूषण के भाई थे ने उनके कविता पाठ से प्रभावित हो उन्हें फिल्मों में लिखने के लिए मुंबई आमंत्रित किया। नीरज मुंबई रहने के लिए तो नहीं माने लेकिन गीत लिखने के लिए तैयार हो गए वह भी इस शर्त पर कि जब गाने की रिकॉर्डिंग होगी तब वह मुंबई आ जाएंगे। इस तरह 'नई उमर की नई फसल' फिल्म बनी और उसमें उनके मशहूर गीत 'कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे' का इस्तेमाल किया गया। इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में हुई। इसमें तनुजा ने हीरोइन का रोल किया था। फिल्म के गाने तो बहुत हिट हुए लेकिन फिल्म सफल नहीं हो पाई। नीरज के गाने लोकप्रिय होने के कारण और लोग भी उनको फिल्मों में गीत लिखने के लिए बुलाने लगे। उसके बाद 'चा चा चा' फिल्म के लिए उन्होंने कुछ गीत लिखे और 'सती नारी' का एक गीत भी बहुत लोकप्रिय हुआ। इस तरह मझली दीदी, दुल्हन एक रात की, तू ही मेरी जिंदगी आदि फिल्मों के गीत भी खूब पसंद किए गए। आखिरकार 1966 में नीरज जी मुंबई शिफ्ट हो गए। फिर तो कन्यादान, पहचान, लाल पत्थर, उमंग, पतंगा,कल आज और कल, मेरा नाम जोकर जैसी फिल्मों के कालजयी गीत उन्होंने लिखे। साल 1969 में उन्हें 'चंदा और बिजली' के गीत 'काल का पहिया घूमे' के लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। उसके बाद देवानंद ने उनसे प्रेम पुजारी के गीत लिखववाए । बाद में देवानंद की तीन और फिल्मों तेरे मेरे सपने, गैंबलर और छुपा रुस्तम के गीत भी उन्होंने लिखे। इनके संगीतकार सचिन देव बर्मन थे । शर्मीली फिल्म में भी सचिन देव बर्मन का ही म्यूजिक था । उनका यह फिल्मी सफर 1972 तक खूब अच्छी तरह चला। नीरज जी ने करीब 40 फिल्मों में गीत लिखे। जनता ने बहुत पसंद किया।

मणिपुर में माफी कोरा दिखावा न होकर सार्थक बदलाव करें

आरती कुमारी

मणिपुर में जातीय संघर्ष, व्यापक हिंसा एवं अराजक माहौल के लिए पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते साल के आखिरी दिन शांति की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए 'माफी' मांगी है, इस माफी को लेकर राजनीति के गलियारों में व्यापक चर्चा है। क्योंकि इस हिंसा में मई 2023 से 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए है। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है। एन बीरेन सिंह ने माफी मांगते हुए हिंसा के इस लंबे कालखण्ड एवं सिलसिले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी समुदायों से अपील की कि पिछली गलतियों को भुलाकर वे शांति और सौहार्द कायम करें। हालांकि मुख्यमंत्री की इस अपील के अपने मतलब निकाले जा रहे है। कुछ लोगों का कहना है कि यह माफी बहुत पहले मांगी जानी चाहिए थी। कुछ का यह मानना है कि माफी ऐसे समय आई है जब मुख्यमंत्री चौतरफा दबाव में है। विरोधी तो बहुत पहले से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, पिछले कुछ समय से खुद उनके विधायकों और सहयोगियों ने इस माफी को उनकी मजबूरी का परिणाम बताया है। निश्चित ही बीरेन सिंह के लिये माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या केन्द्र को राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए था। अफसोसनाक यह है कि इस मसले पर अक्सर विवाद उभरते रहे और राजनीतिक शख्सियतों के बीच आरोप-प्रत्यारोप अक्सर बेलगाम बोल में तब्दील ही होते रहे, कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया, जो गैरजिम्मेदाराना राजनीति को दर्शाता है। मणिपुर में 3 मई 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर जो हिंसा शुरू हुई वह अभी थमने का नाम नहीं ले रही। कभी अपनी सांस्कृतिक सद्भावना के लिए जाना जाने वाला राज्य अब गहराते विभाजन एवं जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है और लोग लगातार भय में जी रहे हैं। तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा। शांति एवं सद्भावना की तलाश अभी भी जारी है। मणिपुर में जब चंद दरिंदें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ बर्बरतापूर्ण हरकत करते नजर आए तो पूरा प्रांत आक्रोश में आ गया। जनमानस की प्रतिक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था में बहुत महत्व रखती है। न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय किए और न ही शांति स्थापित करने के कोई प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से खेमों में बंटती राजनीतिक उलझन में फंसी रही। सभी दल, नेता एवं सरकार नामुमकिन निशानों की ओर कौमों को दौड़ती रही। यह कौमों के साथ नाइंसाफी होने के साथ अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी। क्योंकि ऐसी दौड़ जहां पहुंचाती है, वहां कामयाबी की मंजिल नहीं, बल्कि मायूसी का गहरा गड्ढा होता है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह स्वीकारोक्ति कि ''मैं राज्य में जो कुछ हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन-चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में स्थिति सामान्य हो जाएगी।'' प्रश्न है कि मुख्यमंत्री 18 माह के खून-खराबे के बाद अब क्यों माफी मांग रहे हैं? वे क्या संदेश देना चाहते हैं? अगर वह स्थिति को संभालने में नाकाम रहे थे तो उन्हें बहुत पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था। ताकि स्थितियों लगातार इतनी विकराल नहीं होती, इतनी अधिक जनहानि नहीं होती। देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली सामाजिक असुरक्षा, जातीय संघर्ष तथा हिंसा जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए। यूं तो मणिपुर हिंसा में इतने मासूमों की मौत के बाद मुख्यमंत्री के माफी मांगने का कोई औचित्य नजर नहीं आ रहा। इसीलिये विपक्ष दल एवं कांग्रेस उन पर और केन्द्र सरकार पर हमलावर है। 19 महीनों में एन.बीरेन असंवेदनशील बने रहे और वर्ष के अंत में उन्होंने माफी मांगकर किस संवेदनशीलता का परिचय दिया है? अब सवाल यह है कि त्रासदी का अंत कैसे हो? कैसे शांति स्थापित हो? जरूरत है मनुष्य को बांटे नहीं, सत्य को ढंके नहीं। बड़ा सवाल यह है कि राज्य द्वारा माफ़ी मांगना केवल दिखावा है और राजनीतिक अपयश निवारण और क्षतिपूर्ति की आवश्यकता मात्र है या किसी सार्थक बदलाव की बुनियाद। हालांकि इस तरह की राजनीतिक माफी अक्सर संदेहास्पद ही होती है क्योंकि माफ़ी में इससे कहीं अधिक की क्षमता होती है। सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने वाले नेताओं की संख्या में वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय एवं चिन्तनीय रही है। माफ़ी मांगना एक ऐसी युक्ति है जिसका इस्तेमाल नेता अब अक्सर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिये करते हैं, ताकि वे कम से कम लागत पर अपनी गलतियों को पीछे छोड़ सकें या उनसे पीछा छूडा सके। लेकिन बीरेन सिंह की माफी की अच्छी बात यह है कि तमाम दबावों के बाद ही सही, राजनीति और समाज के हर प्रमुख हिस्से ने उनकी माफी को सकारात्मक कदम माना है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस माफी की पहल को विश्वसनीय बनाया जाये एवं ऐसे उपयोगी एवं जरूरी कदम उठाए जाये ताकि मणिपुर राज्य में मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी जनजातीय समुदायों के बीच चला आ रहा टकराव विराम पा जाये। जरूरी है कि केंद्र और राज्य की सरकार मुख्यमंत्री की इस पहल से उपजे सद्भाव को स्थायित्व देने की कोशिशें अविलंब शुरू कर दें। 2023 के मुकाबले 2024 की दूसरी छमाही में मणिपुर के हालात बेहतर रहे, संघर्ष की स्थितियां कम देखने को मिली। लेकिन पूर्व की हिंसक घटनाओं और मृतकों की संख्या को उससे बनने वाले माहौल से अलग करके नहीं देखा जा सकता। तनाव, संघर्ष और अविश्वास के जिस माहौल से मणिपुर गुजर रहा है, उसकी सचाई इसी हफ्ते कांगपोकपी जिले में कथित कम्युनिटी बंकरों को सुरक्षा बलों द्वारा नष्ट किए जाने पर हुए संघर्ष में 40 लोगों के जख्मी होने और कुकी नैशनल फ्रंट के कथित हमलों के खिलाफ चुराचांदपुर जिले में बंद का आह्वान किए जाने से स्पष्ट है। अभी भी असामान्य हालातों के बीच सवाल है कि मुख्यमंत्री की इस माफी का राज्य के अलग-अलग समुदायों के लोगों पर कैसा और कितना असर पड़ेगा? सवाल महत्वपूर्ण इसलिए भी हो जाता है क्योंकि यह आरोप संघर्ष शुरू होने के बाद से ही लगता रहा है कि मुख्यमंत्री और राज्य प्रशासन की भूमिका निरपेक्ष नहीं है। आरोप पूरी तरह गलत हो तो भी इससे इतना तो स्पष्ट है कि प्रदेश के लोगों का एक खेमा उन्हें अविश्वास भरी नजरों से देखता है। इतने गंभीर और मानवता के अस्तित्व को ही नकारने से जुड़े मसले पर भी समाज के लोगों में जो बंटवारे की प्रवृत्ति राजनीतिक कारणों से दिख रही है वो किसी भी नजरिए से देश की एकता और अखण्डता के लिये फायदेमंद नहीं है। मुद्दा चाहे कोई भी, खांचों या खेमों में बांटने या बंटने का और आम लोगों को तोड़ने का या जोड़ने का- राजनीति से जुड़े लोगों, राजनीतिक दलों और नेताओं में तो शुरू से रहा है लेकिन जब समाज में आम लोग भी इस तरह के बंटवारे का हिस्सा बन जाते हैं तो इसमें नुकसान सिर्फ और सिर्फ देश के नागरिकों का होता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार संकट में सही ढंग से नहीं निपटने के चलते अपनी विश्वसनीयता पहले ही खो चुकी है, लेकिन उसे पुनः हासिल करने के लिये माफी से आगे बढ़कर और अधिक सामाजिक एकता, समरसता एवं सौहार्द के प्रयत्न करने होंगे। हमारे देश की राजनीति की विडम्बना ही रही है कि लोगों को धर्म, जाति, वर्ग, भाषा, वर्ण के नाम पर बांट कर किसी न किसी तरह सत्ता हासिल करना। हालांकि सही मायने में लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीति की परिभाषा और दायरा उससे कहीं ज्यादा व्यापक है। जातीय हिंसा का समाधान संवाद से ही होता है। राज्य सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मैतेई और कुकी समुदाय के साथ लगातार संवाद जारी रखना चाहिए।

उपचुनाव की हार से मायूस सपा ने बनाया एक्शन प्लान, 2027 चुनाव की तैयारी अभी से

अशोक भाटिया , मुंबई

उपचुनाव की हार से मायुस अपने काडर को अगले मिशन के लिए तैयार करने को समाजवादी पार्टी ने नया एक्शन प्लान बनाया है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से कार्यकर्ताओं व टिकट की चाह रखने वालों को पूरी तरह सक्रिय करने की तैयारी शुरू कर दी है और इसी के साथ सपा ने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए दावेदारों को संदेश दे दिया है कि वह खुद सक्रिय होकर कार्यकर्ताओं को भी पार्टी का संदेश देने के काम में लगा दें।केवल प्रचार होर्डिंग लगाने से काम नहीं चलेगा। उपचुनाव में नौ सीटों में सात पर हार मिलने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने लोगों के बीच कहा कि अब विधानसभा चुनाव की लड़ाई काफी कठिन है। भाजपा की रणनीति से मुकाबले के लिए माइक्रो लेवल पर काम करना होगा और सतर्कता बरतते हुए विरोधियों की चालों को काटना होगा। असल में अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा दलित व अल्पसंख्यक) फार्मूले का कामयाबी से इस्तेमाल किया। चाहे वह टिकट वितरण हो या इसके जरिए पीडीए वोटरों की अपने पक्ष में कामयाबी लामबंदी करना रहा हो। इस समीकरण ने सपा को ऐसी सियासी उछाल दी कि वह लोकसभा में 37 सीटें तक पहुंच गईं। पर बाद में हुए उपचुनाव में हालात ऐसे बने कि सपा को केवल दो सीटों पर संतोष करना पड़ा। अगले 2027 के चुनाव में कोई कोर कसर न रहा जाए इसलिए 2024 के लोकसभा चुनाव में अस्सी फीसदी से ज्यादा भाजपा के पक्ष में वोटिंग करने वाले ब्राह्मण समाज पर भी सपा की नजर है। कांग्रेस ने ब्राह्मण समाज से अविनाश पांडेय को उत्तरप्रदेश का प्रभारी बना रखा है तो भूमिहार समुदाय से आने वाले अजय राय को प्रदेश अध्यक्ष पद की कमान सौंप रखी है। मनोज पांडेय, राकेश पांडेय और विनोद चतुर्वेदी जैसे ब्राह्मण समुदाय के विधायकों के बागी रुख अपनाने के बाद अखिलेश यादव ने ब्राह्मण विरोधी नैरेटिव को तोड़ने के लिए माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष का पद सौंप दिया है। ऐसे में सपा की नजर ब्राह्मण को भी साधकर 2027 की सत्ता में वापसी करने का प्लान है । वैसे 2024 के लोकसभा चुनावों से अखिलेश यादव को समझ में आ गया है कि अगर वो ब्राह्मण को वरीयता देते हैं तो सफलता की दर बढ़ सकती है। विशेषकर पूर्वी उत्तरप्रदेश में ब्राह्मणों को एक साथ लाने में पार्टी को सफलता मिल सकती है। हाल ही में उत्तर प्रदेश विधानसभा में माता प्रसाद पांडेय को जब से नेता प्रतिपक्ष बनाया गया तबसे सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दोबारा ब्राह्मण समुदाय को साधने की कोशिश के तौर पर ही देखा जा रहा है। यह बात इसलिए कही जा रही है कि सपा ने अपने सियासी इतिहास में पहली बार किसी अगड़े समुदाय को सदन में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। इस तरह सपा अपने सियासी आधार को पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) तक ही सीमित नहीं रखना चाहती बल्कि उसे विस्तार देने के लिए ब्राह्मण नेता पर दांव लगाना ज्यादा मुफीद लगा। इसके चलते माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में सपा विधायकों की नुमाइंदगी सौंपी है। माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के समर्थन-विरोध में भले ही सपा के भीतर और बाहर आवाज उठ रही हो और बीजेपी-बसपा ने सवाल खड़े किए हैं, लेकिन अखिलेश के इस फैसले के बाद यह चर्चा भी चल पड़ी है कि क्या ब्राह्मणों की गोलबंदी के लिए सियासी कसरत तेज होगी और क्या ब्राह्मण वोटर भाजपा का साथ छोड़कर सपा के साथ जाना पसंद करेंगे। भाजपा के पूर्व विधायक आनंद शुक्ला ने ट्वीट कर माता प्रसाद पांडेय को बधाई देते हुए लिखा कि 15 फीसदी ब्राह्मण वोटों की जरूरत सबको है। वहीं, बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया के बाद पार्टी के ब्राह्मण चेहरे माने जाने वाले सतीश चंद्र मिश्रा ने सपा सरकार में अगड़ों-पिछड़ों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए ब्राह्मण समुदाय पर हुए अत्याचार याद दिलाया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की सियासत में कभी ब्राह्मण किंग हुआ करते थे, लेकिन अब किंगमेकर बनकर रह गए हैं। उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक सियासत और सत्ता दोनों ही ब्राह्मण समुदाय के इर्द-गिर्द सिमटी रही। आजादी के बाद उत्तरप्रदेश में 1989 तक ब्राह्मणों का वर्चस्व कायम रहा और छह ब्राह्मण मुख्यमंत्री बने। गोविंद वल्लभ पंत, सुचेता कृपलानी, कमलापति त्रिपाठी, हेमवती नंदन बहुगुणा, श्रीपति मिश्र और नारायण दत्त तिवारी उत्तरप्रदेश में सीएम रहे। ये सभी कांग्रेस से थे। इनमें नारायण दत्त तिवारी तीन बार उत्तरप्रदेश के सीएम रहे। ब्राह्मण समुदाय के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल को देखें तो करीब 23 साल तक उत्तर प्रदेश की सत्ता की कमान ब्राह्मण समुदाय के हाथ में रही है। लेकिन, मंडल और कमंडल की राजनीति ने उन्हें हाशिए पर धकेल किया। नारायण दत्त तिवारी के बाद उत्तर प्रदेश में कोई भी ब्राह्मण समुदाय से मुख्यमंत्री नहीं बन सका। सूबे में पिछले साढ़े तीन दशक से राजनीतिक दलों के लिए ब्राह्मण समुदाय सिर्फ वोटबैंक बनकर रह गए हैं। उत्तरप्रदेश में भले ही 1989 के बाद कोई ब्राह्मण किंग न बन सका हो, लेकिन किंगमेकर की भूमिका जरूर अदा कर रहे हैं। उत्तरप्रदेश में ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समीकरण के जरिए कांग्रेस का दबदबा बना रहा और ब्राह्मण सीएम भी उसी दौर में बनते रहे। मंडल बनाम कमंडल की राजनीति ने कांग्रेस और ब्राह्मण दोनों को सत्ता से बाहर कर दिया। नब्बे के दशक से ब्राह्मणों ने भाजपा को पकड़ा तो उसके सियासी खूंटे से कमोबेश वैसे ही बंधे जैसे यादव सपा और दलित बसपा के साथ। बसपा और सपा के मजबूत होने और भाजपा के कमजोर होने के चलते

ब्राह्मणों की सियासत हाशिए पर पहुंच गई। ऐसे में मायावती ने 2007 में ब्राह्मणों को साधकर सोशल इंजीनियरिंग की शुरुआत की। बसपा ने नारा दिया था कि ब्राह्मण शंख बजाएगा, हाथी बढ़ता जाएगा।' भाजपा के उदय के साथ ही ब्राह्मण समुदाय का कांग्रेस से मोहभंग हुआ। उत्तरप्रदेश में जिस भी पार्टी ने पिछले तीन दशक में ब्राह्मण कार्ड खेला, उसे सियासी तौर पर बड़ा फायदा हुआ है। सीएसडीएस के आंकड़ों की मानें तो साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को 72 फीसदी ब्राह्मणों ने वोट दिया जबकि सपा-बसपा को 5-5 फीसदी ब्राह्मण वोट मिले। कांग्रेस को लगभग 11 फीसदी ब्राह्मणों ने वोट दिया। 2019 चुनाव में भाजपा को 82 फीसदी ब्राह्मणों ने वोट किया लेकिन लेकिन सपा-बसपा गठबंधन और कांग्रेस को 6-6 फीसदी ब्राह्मण वोट मिले। 2024 चुनाव में भी ब्राह्मण समुदाय का 82 फीसदी वोट भाजपा को मिला है। उत्तरप्रदेश में सबसे ज्यादा ब्राह्मण विधायक 1980 के चुनाव में जीते थे। उस समय ब्राह्मण समुदाय के 87 विधायक थे, लेकिन उसके बाद से लगातार विधानसभा में उनकी संख्या घटती जा रही है। 2002 में 41 ब्राह्मण विधायक ने, लेकिन 2007 में 56 विधायक बनने में कामयाब रहे। 2007 में जब मायावती सत्ता में आईं तो उस समय बीएसपी से 41 ब्राह्मण विधायक चुने गए। 1993 में बसपा से महज एक ब्राह्मण विधायक था, लेकिन चुनाव दर चुनाव यह आंकड़ा बढ़ता गया। 2007 के उत्तरप्रदेश चुनाव में सीएसडीएस की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 38 फीसदी ब्राह्मणों ने ही मायावती को वोट दिया था और इसमें से भी अधिकतर वोट बसपा को वहां मिले थे जहां उसने ब्राह्मण उम्मीदवार खड़े किए थे। 2012 में 47 ब्राह्मण समाज से विधायक बने थे जबकि 2017 में 58 विधायक ब्राह्मण समुदाय से चुने गए थे, जिनमें 46 विधायक भाजपा से बने थे। इससे पहले भाजपा से जीते ब्राह्मणों की संख्या 20 से ज्यादा नहीं बढ़ी थी। 2002 से लेकर 2012 तक तो भाजपा से जीतने वाले ब्राह्मणों की संख्या दहाई का अंक भी नहीं छू पाई थी। वहीं, सपा से सबसे ज्यादा 21 ब्राह्मण 2012 के चुनाव में जीतकर आए थे जबकि इससे पहले यह आंकड़ा 11 तक ही सिमटा रहा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में 52 विधायक ब्राह्मण समाज से चुने गए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 46 भाजपा से हैं जबकि पांच सपा और एक ने कांग्रेस से जीत दर्ज की है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का 2017 में दोबारा से उभार हुआ तो ब्राह्मणों को लगा कि उन्हें सत्ता की कमान मिलेगी, लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ को बना दिया, जो ठाकुर समुदाय से हैं और ब्राह्मण समुदाय के दिनेश शर्मा को डिप्टी सीएम से संतोष करना पड़ा। इसके बाद 2022 के चुनाव में भाजपा दोबारा सत्ता में आई तो सत्ता की बागडोर सीएम योगी के हाथों में रही जबकि डिप्टी सीएम का पद बृजेश पाठक को दे दिया गया। ऐसे में विपक्ष ठाकुर बनाम ब्राह्मण का नैरेटिव बनाने की कवायद में है। देखा जाय तो उत्तर प्रदेश में अब तक भाजपा के जितने भी सीएम बने उनमें एक भी ब्राह्मण नहीं रहा। अभी तो ये हाल है कि उत्तरप्रदेश का मुख्यमंत्री और उत्तरप्रदेश भाजपा अध्यक्ष दोनों ही ब्राह्मण नहीं हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मण बनाम राजपूत के बीच इतनी प्रतिस्पर्धा रही है कि कांग्रेस राज में हमेशा इन दोनों में से एक सरकार का मुखिया रहता तो दूसरा संगठन का मुखिया रहा करता था। पर भाजपा ने इसे भुला दिया। भाजपा की ओर से केंद्र में भी कोई कद्दावर मंत्री इस समुदाय का नहीं बना है। ब्राह्मणों का यह भी आरोप रहा है कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने ब्राह्मण माफियाओं पर तो कार्रवाई की पर ठाकुर माफिया छुट्टा घूमते रहे। यह भी आरोप लगते रहे कि प्रदेश के खास पदों पर ठाकुरों की नियुक्ति की गई। इन सब आरोपों का ही नतीजा रहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में ब्राह्मणों का वोट बंटा है। समाजवादी पार्टी के टिकट पर चिल्लूपार (गोरखपुर) से विधायक रह चुके विनय शंकर तिवारी का कहना है कि आगामी विधानसभा चुनावों में ब्राह्मण बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के साथ आएंगे। तिवारी कहते हैं कि ब्राह्मण भाजपा राज में उपेक्षित तो हुए ही हैं इसके साथ ही प्रदेश सरकार का कुशासन भी उनको मजबूर कर रहा है कि अब भाजपा को वोट नहीं देना है।

मेष राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा । आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे । जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी ।

वृष राशि-आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारीकरने में व्यस्त रहेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे । लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी। आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

कर्क राशि- आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। किसी कार्य योजना के कारण आपको दूर की यात्रा करनी पड़ेगी।

सिंह राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस दौरान आपके मित्र आपकी सहायता करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर में अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे । पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझने दूर होगी । आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी । कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है। आपका रुतबा बढ़ेगा। आपका अनुभव प्रतिष्ठा का कारण बनेगा। समाज में आपको मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान कुछ स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरेहोंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके निजी प्रयासों से उत्तम सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आप अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे।

कुंभ राशि- आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे। इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आपके परिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में उन्नति की संभावना है।

मीन राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं। आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी पुराने मामले को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं। इस दौरान आपको आपकी मेहनत से अच्छे धन लाभ की संभावना है। संतान को किसी बड़े संस्थान में एडमिशन मिलने की खबर मिलेगी।

सिडनी टेस्ट में भी हारा भारत, सीरीज गंवाने के साथ ही डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से भी बाहर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में खेले गए पांचवें एवं अंतिम टेस्ट मैच में रविवार को भारतीय टीम को 6 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने मेजबानों के सामने 162 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट खोकर 162 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 3-1 से गंवा दी है। साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गई है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने यह सीरीज अपने नाम करते ही लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही फाइनल के क्वालीफाई कर चुकी है। डब्ल्यूटीसी का खिताबी मुकाबला जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और पहली पारी में 185 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर समाप्त हुई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में चार रन की बढ़त मिली। फिर भारतीय टीम की दूसरी पारी 157 रन पर सिमट गई और कुल 161 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का लक्ष्य मिला। इसके बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाकर मैच छह विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को सिडनी टेस्ट के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि भारतीय तेज गेंदबाद जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने सीरीज में कुल 32 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी- 162 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने 17 गेंदों में 22 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा ने 41 रन की पारी खेली। मार्नस लाबुशेन 6 रन और स्टीव स्मिथ 4 रन बनाए। इसके बाद ट्रेविस हेड ने नाबाद 34 रन और ब्यू वेबस्टर नाबाद 39 रन की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। भारतीय टीम दूसरी पारी में कप्तान जसप्रीत बुमराह के बिना उतरी थी। उन्हें पीठ में जकड़न की समस्या थी। उनकी जगह विराट कोहली ने कप्तानी की। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया।

भारत की दूसरी पारी 157 रन पर सिमटी- भारतीय टीम की दूसरी पारी आज 157 रन पर सिमट गई। रविवार को भारतीय टीम ने छह विकेट पर 141 रन से आगे खेलना शुरू किया और 16 रन ही जोड़ सकी। रवीन्द्र जडेजा 13 रन, वॉशिंगटन सुंदर 12 रन, मोहम्मद सिराज 4 रन और जसप्रीत बुमराह खाता भी नहीं खोल सके। इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े थे। फिर राहुल 13 रन बनाकर और यशस्वी 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। शुभमन गिल भी 13 रन बनाकर कैच आउट हो गए। मैच में विराट कोहली एक बार फिर फ्लॉप रहे और स्लिप में कैच आउट हो गए। वह छह रन बना सके। इसके बाद ऋषभ पंत ने पारी को आगे बढ़ाया और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने 33 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन की तेजतर्रार पारी खेली। नीतीश कुमार रेड्डी चार रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने कुल छह विकेट झटके। वहीं, कप्तान पैट कमिंस ने तीन विकेट और ब्यू वेबस्टर ने एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 पर सिमटी- इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्यू वेबस्टर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। वेबस्टर के अलावा स्टीवन स्मिथ ने 33, सैम कोंस्टास ने 23 और एलेक्स कैरी ने 21 रन बनाए। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3, जबकि जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी ने 2-2 विकेट लिया।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 185 रन बनाए- इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए। भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। बोलैंड के अलावा मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला गया था। पहले मैच में भारतीय टीम ने 295 रन से जीत दर्ज कर की थी। इसके बाद एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 10 विकेट से हार मिली। फिर ब्रिस्बेन में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। यह मैच बारिश से बाधित रहा था। मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन से जीत दर्ज की थी। अब सिडनी में खेले गए आखिरी टेस्ट में छह विकेट से जीत हासिल कर सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया और 10 साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज पर कब्जा जमाया।

रोहित के क्रिकेट भविष्य पर मुख्य कोच गौतम गंभीर ने क्या किया इशारा

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के लिए 2024 का अंत अच्छा नहीं रहा और 2025 की शुरुआत भी कुछ ठीक नहीं रही। मेलबर्न टेस्ट में हार के ठीक बाद विश्व क्रिकेट में रोहित के टेस्ट क्रिकेट में भविष्य को लेकर अटकलें लग रही थीं और इसका संकेत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के निर्णायक मैच से मिला जब रोहित ने बाहर होने का विकल्प चुना। रोहित ने अभी तक प्रारूप में अपने भविष्य को स्पष्ट बात नहीं की है, इसलिए अटकलों ने बीसीसीआई की चयन समिति के लिए आसन्न आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नेतृत्व विकल्पों पर चर्चा करने के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। भारत द्वारा टी-20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित ने पिछले जून में टी20 इंटरनेशनल प्रारूप से संन्यास लिया और एक माह बाद सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी संभाली। टेस्ट क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह ने पहले पर्थ में भारत को शानदार जीत दिलाई थी और पारंपरिक प्रारूप में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार होते नजर आ रहे हैं। रोहित के भविष्य को लेकर बढ़ती अटकलों और भारतीय टीम में मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में स्पष्ट बदलाव के साथ, संकेत दिया कि बीसीसीआई पहले से ही वनडे क्रिकेट में नेतृत्व के विकल्प तलाश रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर रोहित की वनडे कप्तान के रूप में भूमिका जांच के दायरे में आती है, या चयनकर्ता 37 वर्षीय पर बोझ कम करने का फैसला करते हैं, तब हार्दिक पांड्या अगले कप्तान के रूप में उभर सकते हैं। ऑलराउंडर के पास पिछले दो वर्षों में सफेद गेंद के प्रारूपों में टीम का नेतृत्व करने का अनुभव है। रिपोर्ट में कहा गया, हार्दिक में उच्च दबाव की स्थितियों में नेतृत्व करने की क्षमता है और एक ऑलराउंडर और लीडर के रूप में उनका अनुभव उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी जैसे आईसीसी टूर्नामेंट के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। भारत काफी हद तक विभाजित कप्तानी के पक्ष में नहीं रहा है। लेकिन भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने वनडे सेट-अप में अपनी जगह पक्की नहीं की है, इसलिए यह संभावना नहीं है कि हार्दिक पांड्या को 50 ओवर के क्रिकेट में कप्तान बनाया जाएगा। रोहित की जगह लेने के लिए अन्य खिलाड़ी पंत और शुभमन गिल हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिल को एक परिपक्व लीडर के रूप में विकसित होने के लिए समय की आवश्यकता है, इसके बाद हार्दिक रोहित से वनडे की जिम्मेदारी संभालने के लिए सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

सिडनी पिच पर गावस्कर का तंज, कहा- भारत में ऐसा होता तो हंगामा मच जाता

सिडनी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे 5वें टेस्ट मैच में पिच को लेकर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने कहा कि इस पिच पर जो हालात हैं, उन्हें आदर्श टेस्ट पिच नहीं कहा जा सकता। उन्होंने चिंता जताई कि इस पिच पर पहले दिन 11 विकेट गिरे और दूसरे दिन 15 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बारे में कोई सवाल नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या यह खेल भारत में हो रहा है? अगर भारत में एक दिन में 15 विकेट गिरते, तो पूरे क्रिकेट जगत में हंगामा मच जाता। गावस्कर ने कहा, हम हमेशा विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं, लेकिन कभी कोई शिकायत नहीं करते। जब हम भारत में खेलते हैं, तो लोग हमारे पिचों पर सवाल उठाते हैं। क्या आपने कभी भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच की शिकायत करते सुना है? हम हारते हैं, तो हारते हैं, लेकिन विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल होता है। गावस्कर ने यह भी कहा कि पिच पर इतनी घास थी कि वह बिल्कुल आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं लग रही थी। उन्होंने कहा, अगर बारिश नहीं होती, तो मुझे नहीं लगता कि हम चौथे दिन तक यहां खेलते रहते। इस पिच पर पिच और गेंदबाजों के लिए कोई अनुकूलता नहीं है।

टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं, सम्मान और दबाव झेलने पड़ते हैं : रोहित

बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ, नए खिलाड़ी स्थान के महत्व को पहचाने

मेलबर्न। सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे 5वें टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभाल रहे हैं। रोहित शर्मा ने टीम में शामिल नए खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया और बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ की। रोहित ने नए खिलाड़ियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर कहा कि टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी हर किसी को थाली में परोसकर नहीं मिलती है। इसे कमाना पड़ता है। यह सम्मान और दबाव दोनों के साथ आता है। नए खिलाड़ियों को स्थान के महत्व को पहचानना होगा।बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी फॉर्म पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म और आलोचना का सामना करना खेल का हिस्सा है। कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि नेतृत्व में हर दिन अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन विचारधारा और मानसिकता को स्थिर रखना जरूरी है। परिणाम भले न आएं लेकिन नेतृत्व के अपने तरीके और दृष्टिकोण को बदलने का कोई कारण नहीं है। बुमराह की कप्तानी को लेकर रोहित ने तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह खेल के प्रति गहरी समझ रखते हैं। वह दूसरों के लिए अपनी गेंदबाजी से उदाहरण पेश करते हैं। मैंने उन्हें 2013 में पहली बार देखा था और तब से उनके खेल और सोच में काफी विकास हुआ है। जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं, वह पूरी दुनिया देख रही है। उनके पास टीम को आगे रखने की बेहतरीन क्षमता है। रोहित शर्मा ने टीम इंडिया के इतिहास और क्रिकेट खेलने के तरीके को लेकर गर्व महसूस किया और कहा कि यह जिम्मेदारी लेने वालों को इसे अर्जित करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हार कोई नहीं चाहता, लेकिन टीम का हर खिलाड़ी जीत के लिए प्रतिबद्ध है। रोहित ने उम्मीद जताई कि टीम इंडिया सिडनी टेस्ट को ड्रॉ करके सीरीज को बराबरी पर खत्म करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि यह टीम के लिए एक सुनहरा मौका है, भले ही सीरीज जीतना अब संभव न हो।

व्यापार

वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की चाल : विश्लेषक

वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभावित करेगा

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह गुरुवार से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभावित करेगा। एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजों की शुरुआत इसी सप्ताह होने जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस और टाटा एलेक्सी गुरुवार नौ जनवरी को अपनी वित्तीय नतीजों की घोषणा करेंगी। निवेशकों की निगाह व्यक्तिगत शेयरों के प्रदर्शन पर रहेगी। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों के बाद बाजार का ध्यान आगामी आम बजट और डोनाल्ड ट्रंप 2.0 प्रशासन के नीतिगत निर्णयों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल रहे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल बने हुए हैं। एफआईआई और डीआईआई के बीच इस तरह का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और यह इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि नए साल के दूसरे सप्ताह को देखते हुए कई प्रमुख घटनाक्रम बाजार की धारणा प्रभावित कर सकते हैं। तिमाही नतीजों की शुरुआत टीसीएस के साथ होगी। तीसरी तिमाही के बेहतर नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी का रुख पलट सकता है। इसके अलावा आगे के संकेतों के लिए निवेशकों की निगाह एचएसबीसी सेवा पीएमआई और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर रहेगी। आगे बाजार कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों पर निगाह रखेगा। उम्मीद की जा रही है कि कंपनियों के तिमाही नतीजों में इससे पिछली तिमाही की तुलना में सुधार देखने को मिलेगा। वैश्विक मोर्चे पर बात की जाए, तो फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे की इसी सप्ताह घोषणा होगी।

तीन दिन की तेजी के बाद सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली। तीन दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आज 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 सुरक्षाबलों ने मणिपुर में कई जगहों पर चलाया तलाशी अभियान,भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद
2 संभल हिंसा के दौरान CO अनुज चौधरी पर गोली चलाने वाला आरोपी सलीम गिरफ्तार
3 नवी मुंबई के सायन हाईवे पर भीषण हादसा, डंपर ने कई गाड़ियों को मारी टक्कर,एक की मौत
4 कुंभ में बुकिंग के नाम पर हो रहे हैं साइबर फ्रॉड, यूपी पुलिस ने जारी किया अवेयरनेस वीडियो
5 प्रियंका पर दिए बयान पर बोले रमेश बिधूड़ी:अगर किसी को भी दुख हुआ है तो मैं खेद प्रकट करता हूं
6 प्रधानमंत्री जी रोज दिल्ली के लोगों को गालियां दे रहे हैं,दिल्ली की जनता का अपमान कर रहे:अरविंद केजरीवाल
7 दिल्ली की CM आतिशी ने कालकाजी के सरकारी माध्यमिक विद्यालय में शूटिंग रेंज का उद्घाटन किया
8 UP एसटीएफ और महाराष्ट्र पुलिस ने मिलकर सिद्धार्थनगर से वांटेड अपराधी संदीप कुमार को किया अरेस्ट
9 लालू-नीतीश अच्छे दोस्त,दोनों इशारों में बात करते हैं,बोलीं RJD सांसद मीसा भारती
10 पहले हेमा मालिनी से माफी मांगे कांग्रेस,खुद के बयान के बचाव में उतरे रमेश बिधूड़ी
11 दिल्ली सरकार आपदा से कम नहीं,जब आप-दा हटेगी,तब सुशासन आएगा,दिल्ली में बोले PM मोदी
12 दिल्ली का दिल जीतने का ये स्वर्णिम अवसर... BJP उम्मीदवारों से PM मोदी की अपील
13 दिल्ली को आज करोड़ों की सौगात दी, परिवर्तन रैली में बोले पीएम मोदी
14 पोरबंदर में कोस्टगार्ड के एयर एन्क्लेव में हेलीकॉप्टर क्रैश,3 लोगों की मौत
15 J-K:पुंछ जिले में संदिग्ध गतिविधि पर पहुंचे सुरक्षा बल,शुरू किया तलाशी अभियान
16 केरल:कोच्चि के कक्कानाड में स्क्रैप गोदाम में आग लगी,मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की टीमें
17 BJP नेता मुरली मनोहर जोशी के जन्मदिन पर बधाई देने पहुंचे अमित शाह और राजनाथ सिंह
18 पीएम मोदी ने नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई
19 J-K:किश्तवाड़ में बड़ा हादसा,खाई में बोलेरो कार गिरने से चार लोगों की मौत
20 राहुल गांधी हों या तेजस्वी...मंच पर सबका स्वागत,अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर का बयान
21 उत्तराखंड में निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका,मथुरा दत्त जोशी बीजेपी में शामिल
22 ममता बनर्जी का आज 70वां जन्मदिन,PM मोदी ने दी बधाई
23 बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: 32 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह बने प्लेयर ऑफ द सीरीज
24 पटना:सुशील कुमार मोदी की जयंती आज, श्रद्धांजलि देने पहुंचें CM नीतीश कुमार
25 सिडनी टेस्ट में AUS ने भारत को 6 विकेट से हराया,3-1 से किया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा
26 डीआईजी आजमगढ़ रेंज वैभव कृष्ण का ट्रांसफर,महाकुंभ मेला क्षेत्र के डीआईजी बनाए गए
27 रोमांचक हुआ सिडनी टेस्ट,उस्मान ख्वाजा को सिराज ने भेजा पवेलियन
28 चीन:हेबेई प्रांत के बाजार में लगी भयंकर आग,8 लोगों की मौत,15 गंभीर रूप से जख्मी
29 दिल्ली में शीतलहर का प्रकोप,कोहरे के कारण कई ट्रेनें चल रही हैं लेट
30 सिडनी टेस्ट:प्रसिद्ध कृष्णा ने स्टीव स्मिथ को भेजा पवेलियन,ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका
31 PM मोदी 6 जनवरी को तेलंगाना में चार्लापल्ली रेलवे टर्मिनल का करेंगे उद्घाटन
32 सिडनी टेस्ट:157 पर सिमटी भारत की दूसरी पारी,ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का टारगेट
33 दो दिवसीय दौरे पर आज भारत आएंगे अमेरिकी NSA जेक सुलिवन
34 आंध्र के CM चंद्रबाबू आज किए अपने निर्वाचन क्षेत्र कुप्पम का दौरा
35 Supreme Court का ऐतिहासिक फैसला:मां-बाप की संपति लेने के बाद उन्हें ठुकराने वालों की अब खैर नहीं
36 किसान आंदोलन से केंद्र को फायदा,दिल्ली को चारों ओर से जाम करेंगे: राकेश टिकैत
37 फर्जी फॉर्म भरवाकर महिलाओं का वोट हासिल करने की कोशिश में केजरीवाल:कांग्रेस
38 जोशी समेत कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेताओं ने थामा भाजपा का दामन,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया स्वागत
39 देवेंद्र फडणवीस की जीत को हाई कोर्ट में चुनौती,कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर पर भी लगाए आरोप
40 गलती से हम दो बार इधर-उधर चले गए... लालू के ऑफर पर बोले नीतीश;सब कुछ कर दिया साफ

हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का मोशन पोस्टर जारी

5 जनवरी को रिलीज होगा ट्रेलर

बैडएस रवि कुमार की दुनिया में गोता लगाने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि आपने सामने जल्द ही आ रही है एक हाई-ऑक्टेन एक्शन म्यूजिकल फिल्म, जो आपको 80 के दशक में वापस लाने का वादा करती है। फिल्म में आपको डायलॉगबाजी के साथ एक रेट्रो रैप्सोडी देखने को मिलेगी। फिल्म बैडएस रवि कुमार का जबर्दस्त रेट्रो लुक सामने आ चुका है। इस मोशन पोस्टर में फिल्म के सार को पूरी तरह से साफ कर दिया है कि सिंगर हिमेश रेशमिया अब एक रेट्रो एक्शन म्यूजिकल फिल्म में नजर आने वाले हैं। हिमेश रेशमिया को इस फिल्म के जरिए उनकी बॉलीवुड में वापसी मानी जा रही है। कभी फिरोज खान, राजीव राय और नासिर हुसैन जैसे दिग्गजों के साथ-साथ प्रसिद्ध आरडी बर्मन शैली के संगीत का जादू फिर से दिखाई देगा। फिल्म बैडएस रवि कुमार 80 के दशक की तरह की तस्वीर लेकर सामने आएगा। हाल ही में रिलीज हुए मोशन पोस्टर ने प्रशंसकों के बीच जबर्दस्त चर्चा बटोरी है, जिसमें ट्रेलर रिलीज की तारीख 5 जनवरी बताई गई है। कीथ गोम्स द्वारा निर्देशित और हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित, बैडएस रवि कुमार 7 फरवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए होगी। बैडएस रवि कुमार के मोशन पोस्टर की रिलीज के बाद से सोशल मीडिया पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं और फिल्म को लेकर अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अब मीम्स ही मीम्स मिलेगी देखना, एक और यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेड हूं इसके लिए एक और यूजर ने लिखा, मैंने इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया है। इससे पहले वह हैप्पी हार्डी और हीर में नजर आए थे। यह फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से पहले वह तेरा सुरूर, द एक्सपोज और खिलाड़ी 786 में नजर आ चुके हैं। म्यूजिक इंडस्ट्री में शोहरत पाने के बाद हिमेश ने साल 2007 में एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला किया था। फिल्म का नाम आपका का सूरूर था। इस फिल्म के गाने लोगों को काफी पसंद आए थे, लेकिन उनका अभिनय लोगों पर अपना जादू नहीं चला पाया।

आयरा बंसल तेलुगु फिल्मों में डेब्यू करेंगी

गोविंदा और वरुण शर्मा की फ्राई डे फिल्म की को-स्टार आयरा बंसल ने हाल ही में अपनी तेलुगु डेब्यू फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो 2025 में रिलीज होगी। आगरा की रहने वाली और अभिनेत्री आयरा बंसल ने फ्राई डे, 36 फार्म हाउस और द जोया फैक्टर जैसी फिल्में की हैं और वह साउथ में डेब्यू करने के लिए काफी उत्साहित हैं। अपनी आने वाली फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी तेलुगु डेब्यू एक एक्शन फिल्म है, जिसका नाम शिवा- द फाइटर है। इस फिल्म में मैं इंदुकुरी सुनील वर्मा, विकास वशिष्ठ और पोसानी कृष्ण मुरली के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर रही हूं। फिल्म की डबिंग और पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है, एक बार यह जल्दी ही पूरा हो जाए तो मैं इसके बारे में और बात कर पाऊंगी। म्यूजिक वीडियो में काम करने से आयरा को और काम मिलने में मदद मिली। उन्होंने राजू खेर के साथ सिंगल मेरी बिटिया,अली मर्चेंट के साथ है कहाँ, विनय बावा के साथ बुके और दो पागल में काम किया है। आयरा को लगता है की भगवान की खास कृपा है उनपे, क्योंकि उन्हें अपनी पिछली फिल्मों में कई बहुमुखी प्रतिभा वाले अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूँ, क्योंकि मुझे अपनी फिल्म फ्राई डे में गोविंदा और वरुण शर्मा जैसे अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। जैसा कि हम जानते हैं की उनकी कॉमिक टाइमिंग सबसे अच्छी है। दूसरी ओर, मुझे 36 फार्म हाउस में संजय मिश्रा और विजय राज जैसे गंभीर अभिनेताओं और विनीत कुमार सिंह, सौरभ शुक्ला और अन्य के साथ आधार में काम करने का मौका मिला। सेट पर उनके साथ जितना भी समय बिताने का मौका मिला, मैंने उनसे जितना हो सका सीखने की कोशिश की और खुद को एक अभिनेता के रूप में निखारा, आयरा ने अनुभवी अभिनेताओं के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के बारे में चर्चा करते हुए कहा। फिल्मों और संगीत वीडियो के अलावा, आयरा ने भारत और अमेरिका में कई फैशन डिजाइनरों के लिए रैंप वॉक किया है। आयरा बंसल बिग बॉस सीजन 17 की प्रतिभागी और अभिनेत्री सोनिया बंसल की बहन हैं, लेकिन उन्हें अपना सारा काम ऑडिशन देकर और कास्टिंग एजेंसी की मदद से मिला है। वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनकी बहन सोनिया उनसे पहले इंडस्ट्री में इंटर किया और जब भी उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, तो वह उनसे मार्गदर्शन ले सकती हैं।

लवयापा का टाइटल ट्रैक आउट, जुनैद खान-खुशी कपूर के बीच जबरदस्त दिखी केमिस्ट्री

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी आगामी फिल्म लवयापा की रिलीज के लिए तैयार है. रिलीज से पहले मेकर्स ने जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है. इस गाने में सोशल मीडिया के दौर में जुनैद और खुशी के बीच की मजेदार केमिस्ट्री दिखाई गई है. नक्श अजीज और मधुबंती बागची ने इस गाने को अपनी आवाज दी है. जी म्यूजिक कंपनी ने इंस्टाग्राम पर गाने की झलक पेश की है और कैप्शन में लिखा है, बाबू शोना करते-करते हो गया दिमाग का भजियापा? खैर, यह लवयापा की शुरुआत है. लवयापा हो गया गाना रिलीज हो गया है. लवयापा इस वैलेंटाइन वीक में 7 फरवरी 2025 से सिनेमाघरों में. यह आगामी रोमांटिक कॉमेडी 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होगी. लाल सिंह चड्ढा का निर्देशन करने वाले अद्वैत चंदन इस प्रोजेक्ट को निर्देशित करने के लिए आए हैं. फिल्म का निर्माण फैंटम स्टूडियो और एजीएस एंटरटेनमेंट ने किया है. मेकर्स के अनुसार, लवयापा प्यार और उसकी कॉम्प्लिकेशन की एक उलझी हुई कहानी है जिसमें मस्ती और मजाक दोनों है, जो एक सिनेमाई ट्रीट बनने जा रही है. जुनैद ने नेटफ्लिक्स की फिल्म महाराज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें जयदीप अहलावत और शरवरी भी हैं. सिद्धार्थ पी मल्होत्रा की निर्देशित और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के तहत आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म स्वतंत्रता-पूर्व भारत पर आधारित है, जो 1862 के महाराज मानहानि मामले के इर्द-गिर्द घूमती है. दिवंगत श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की बेटी खुशी ने भी नेटफ्लिक्स के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की. उन्होंने जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज में अभिनय किया, जिसमें शाहरुख खा और गौरी खान की बेटी सुहाना और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य ने भी अपने करियर की शुरुआत की. यह फिल्म पिछले साल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई थी.

जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ शानदार तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने लायक है. तस्वीरों में जान्हवी ने सिल्वर शिमरी टॉप और बेल्ट स्टाइल ग्रे स्कर्ट पहना हुआ है, जो उन्हें एक डिवा लुक दे रहा है. जान्हवी ने अपने लुक को खुले कर्ली बालों और न्यूड ग्लो मेकअप के साथ पूरा किया है. उनकी स्टाइलिंग में शार्प कॉन्टूरिंग और हाईलाइटर का परफेक्ट इस्तेमाल देखा जा सकता है, जो उनके चेहरे पर ग्लो एड करता है. इन तस्वीरों में जान्हवी ने दीवार के पास खड़े होकर स्टाइलिश पोज दिए हैं, जिससे उनकी अदाएं और भी कातिलाना लग रही हैं. पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पुश 2 स्टार्ट और इस पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं. मृणाल ठाकुर ने फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ की, वहीं फैंस ने भी उन्हें स्ले क्वीन और स्टनिंग कहकर सराहा है. जान्हवी के इस पोस्ट को अब तक 6.5 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, जो उनकी पॉपुलैरिटी को साबित करता है. उनकी यह ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।